व्याख्या सहित उत्तर कुंजी

01. (c)

व्याख्या:संबंधित प्रावधान भारतीय संविधान का अनुच्छेद

अनुच्छेद–124	सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना एवं गठन
अनुच्छेद –126	कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति जवब भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद रिक्त हो।
अनुच्छेद –130	सर्वोच्च न्यायालय का आसन
अनुच्छेद 141	सर्वोच्च न्यायालय द्वारा घोषित कानून भारत क्षेत्र के सभी न्यायालयों पर लागू होंगे।

अतः विकल्प (c) सही है।

02. (a)

व्याख्याः राज्य सभाः

संसद के उच्च सदन, राज्यसभा या राज्यों की परिषद का गठन 3 अप्रैल, 1952 को हुआ था और इसका प्रथम सत्र 13 मई. 1952 को आयोजित किया गया था। इसे कुछ विशेष शक्तियाँ प्राप्त हैं, जैसे:

- केवल राज्यसभा ही उप–राष्ट्रपति को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है। **अतः कथन (1) सही है।**
- किसी विषय को एक निर्दिष्ट अवधि के लिये राज्य सूची से संघ सूची में स्थानांतरित करने की शक्ति (अनुच्छेद 249)1
- अतिरिक्त अखिल भारतीय सेवाएँ का सृजन (अनुच्छेद 312)A लोकसभा के विघटन की स्थिति में सीमित अवधि के लिये अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल का अनुमोदन करना।
- राज्य सभा धन विधेयक में संशोधन या उसे अस्वीकार नहीं कर सकती। उसे विधेयक को 14 दिनों के भीतर या इससे पहले सिफारिशों के साथ अथवा इसके बिना लोकसभा को वापस भेजना होता है। **अतः कथन (2) सही नहीं है।**

अतः विकल्प (a) सही है।

03. (a)

व्याख्याः भारतीय संविधान की अनुसूचियाँः

- **दसवीं अनुसूची**ः दल परिवर्तन के आधार पर संसद और राज्य विधानमंडलों के सदस्यों की निर्हरता से संबंधित प्रावधान। यह अनुसूची 52वें संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा जोड़ी गई थी, जिसे दल–बदल विरोधी कानून के रूप में भी जाना जाता है। इससे संबंधित प्रावधानों को अनुच्छेद 102 और अनुच्छेद 191 में शामिल किया गया है।

अतः विकल्प (a) सही है।

- **ग्यारहवीं अनुसूची**ः पंचायतों की शक्तियों, अधिकार और उत्तरदायित्वों को निर्दिष्ट करती है। इसमें 29 मामलों को शामिल किया गया है। यह अनुसूची 73वें संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा जोड़ी गई थी। अनुच्छेद 243G इसे कवर करता है।
- **सातवीं अनुसूची**ः सूची–I (संघ सूची), सूची–II (राज्य सूची), और सूची–III (समवर्ती सूची) के अनुसार संघ और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन। अनुच्छेद 246 इसे कवर करता है।
- **छठी अनुसूची**ः इसमें असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित प्रावधान हैं। अनुच्छेद 244 और अनुच्छेद 275 इसे कवर करते हैं।

04. (c)

व्याख्याः जब राष्ट्रपति का पद उसके त्याग–पुत्र महाभियोग, मृत्यु या किसी अन्य कारण से रिक्त हो तो भारत का उप–राष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है। वह अधिकतम छह माह तक ही कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर सकता है इस अवधि में नए राष्ट्रपति का चुनाव आवश्यक है। इसके अतिरिक्त यदि वर्तमान राष्ट्रपति अनुपस्थिति, बीमारी या किसी अन्य कारण से अपने कार्यों को करने में असमर्थ हो तो वह राष्ट्रपति के पुनः कार्य करने तक उसके कर्तव्यों का निर्वाह करता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

05. (a)

व्याख्याः आरक्षण से संबंधित संवैधानिक प्रावधानः

- **अनुच्छेद 330:** लोकसभा में अनुसूचित जाति (SCs) और अनुसूचित जनजाति (STS) के लिये सीटों का आरक्षण।
- **अनुच्छेद 332:** राज्यों की विधानसभा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये सीटों का आरक्षण।
- **अनुच्छेत 243D:** प्रत्येक पंचायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है।
- **अनुच्छेद 243T:** प्रत्येक नगर पालिका में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये सीटों के आरक्षण का प्रावधान करता है।
- **अनुच्छेद 335:** इसमें कहा गया है कि प्रशासन की प्रभावकारिता को बनाए रखने के साथ SC और ST के दावों को घटक रूप से ध्यान में रखा जाएगा।

अतः विकल्प (a) सही है।

06. (b)

व्याख्याः संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023, विधेयक लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिये एक–तिहाई सीटें आरक्षित करता है। यह लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित सीटों पर भी लागू होगा।

अतः विकल्प (b) सही है।

- **105वाँ संविधान संशोधन अधिनियम** सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (SEBC) से संबंधित है। इस अधिनियम ने SEBC की सूची तैयार करने की राज्य सरकार की शक्ति को बहाल कर दिया, जिसे 102वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा वापस ले लिया गया था।
- **101वाँ संविधान संशोधन अधिनियम** वर्ष 2016 में पारित किया गया था। यह, केंद्र और राज्यों दोनों को उत्पाद शुल्क, चुंगी कर, सीमा शुल्क, सेवा कर, प्रवेश कर, मनोरंजन कर, आदि का आकलन करने की अनुमति देता है, ये सभी माल एवं सेवा कर 'द्वारा प्रतिस्थापित हैं, जिससे यह एक अप्रत्यक्ष कर बन जाता है।
- **100वाँ संशोधन अधिनियम** 2015 भूमि सीमा समझौता 1974 तथा इसके प्रोटोकॉल 2011 के अनुपालन में भारत द्वारा कतिपय भू–भाग के अधिग्रहण और कुछ अन्य क्षेत्रों को बांग्लादेश से सीखने से संबंधित था।

07. (c)

व्याख्याः संविधान का **अनुच्छेद–81** लोकसभा की संरचना को परिभाषित करता है। इसमें कहा गया है कि सदन में 550 से अधिक निर्वाचित सदस्य नहीं होंगे, जिनमें से राज्यों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से 530 से अधिक तथा संघशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिये 20 से अधिक सदस्य नहीं होंगे।

अतः विकल्प (c) सही है।

08. (a)

व्याख्याः अनुच्छेद–3 संसद को अधिकृत करता है:

- किसी राज्य में से उसका राज्य क्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों को या राज्यों के भागों को मिलाकर अथवा किसी राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नए राज्य का निर्माण कर सकेंगी।
- किसी राज्य के क्षेत्र को बढ़ा सकेगी।
- किसी राज्य का क्षेत्र घटा सकेगी।
- किसी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन कर सकेगी।
- किसी राज्य के नाम में परिवर्तन कर सकेंगी।

अतः कथन (1) सही है लेकिन कथन (2) सही नहीं है।

- अनुच्छेद–3 इस संबंध में दो शर्ते का उल्लेख किया गया है–
- उपरोक्त परिवर्तन से संबंधित कोई अध्यादेश राष्ट्रपति की पूर्व मंजूरी के बाद ही संसद में पेश किया जा सकता है।
- संस्तुति से पूर्व राष्ट्रपति उस अध्यादेश को संबंधित राज्य के विधानमंडल का मत जानने के लिये भेजता है। यह मत निश्चित सीमा के भीतर दिया जाना चाहिये।

अतः विकल्प (a) सही है।

09. (c)

व्याख्याः नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019:

- इसने 1955 के नागरिकता अधिनियम में संशोधन कियाय संशोधन अधिनियम के प्रमुख प्रावधान इस प्रकार हैंरू
- इस अधिनियम में प्रावधान है कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें अवैध प्रवासी नहीं माना जाएगा। **अतः कथन (1) सही है।**
- इस लाभ को हासिल करने के लिये उन्हें केंद्र सरकार द्वारा
- विदेशी अधिनियम, 1946 और पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920 से छूट दी जानी चाहिये।
- 1920 के अधिनियम में विदेशियों के पास पासपोर्ट होने का निर्देश दिया गया है जबकि 1946 का अधिनियम भारत मे विदेशियों के प्रवेश और वापसी को विनियमित करता है।
- अवैध प्रवासियों के लिये नागरिकता अधिनियम के प्रावधान्न संविधान की छठी अनुसूची में शामिल असम, मेघालय, मिजोरम् और त्रिपुरा के आदिवासी क्षेत्रों पर लागू नहीं होंगे। इन जनजातीय क्षेत्रों में कार्बो आआंगलोंग (असम में), गारो हिल्स (मेघालय में), चकमा जिला (मिजोरम में) और त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र जिला शामिल हैं। **अतः कथन (2) सही है।**

अतः विकल्प (c) सही है।

10. (c)

व्याख्याः अंतर्राज्यीय परिषदः

- इसकी स्थापना 1990 में भारतीय संविधान के भाग XI के अनुच्छेद 263 के तहत की गई थी। राष्ट्रपति के पास अंतर–राज्य परिषद स्थापित करने की शक्ति है।
- यह एक आयोग की सिफारिश पर गठित एकमात्र संवैधानिक निकाय है, वह सरकारिया आयोग है। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- यह एक अनुशंसात्मका निकाय है जिसे संघ और राज्य (राज्यों), या राज्यों के बीच सामान्य हित के विषयों की जाँच और चर्चा करने का अधिकार दिया गया है।
- परिषद की बैठक वर्ष में कम–से–कम तीन बार हो सकती है। परिषद की एक स्थायी समिति भी है।

संघटनः

- प्रधानमंत्री, अध्यक्ष
- सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सदस्य
- जिन संघ शासित प्रदेशों (UT) में विधानसभा है, उनके मुख्यमंत्री और बिना विधानसभा वाले UT क्षेत्रों के प्रशासक और राष्ट्रपति
- शासन के तहत राज्यों के राज्यपाल, सदस्य।
- केंद्रीय मंत्रिपरिषद में कैबिनेट रैंक के छह मंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित किये जाएंगे।

11. **(d)**

व्याख्याः उच्च न्यायालय (HC):

- भारतीय संविधान के भाग VI (राज्य) में अनुच्छेद 214 से 231 उच्च न्यायालय के संगठन, स्वतंत्रता, अधिकार क्षेत्र, शक्तियों, प्रक्रियाओं आदि से संबंधित हैं।
- वर्तमान में भारत में 25 उच्च न्यायालय हैं। उनमें से 3.2 या अधिक राज्यों के लिये सामान्य हैं।
- दिल्ली भारत का एकमात्र केंद्रशासित प्रदेश (UT) है जिसका 1966 से अपना स्वयं का उच्च न्यायालय है।
- संसद किसी HC के क्षेत्राधिकार को किसी भी UT तक बढ़ा सकती है या किसी UT से HC के क्षेत्राधिकार को बाहर कर सकती है।
- अपनी अवमानना के लिये दंडित करने की उच्च न्यायालय की शक्ति को संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है। इसका उल्लेख केवल संविधान में अनुच्छेद 215 के तहत किया गया है। इसे न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 में परिभाषित किया गया है। अतः कथन (1) सही नहीं है।
- 7वें संबैधानिक संशोधन अधिनियम में दो या दो से अधिक राज्यों के लिये एक उच्च न्यायालय का प्रावधान किया गया। **अतः कथन (2) सही है।**

अतः विकल्प (क) सही है।

12. **(d)**

व्याख्याः भारतीय संविधान में संशोधन की यह प्रक्रिया दक्षिण अफ्रीका के संविधान से ग्रहण की गई है। राज्यसभा के सदस्य का चुनाव भी इसी संविधान से लिया गया है।

अतः विकल्प (क) सही है।

भारतीय संविधान के प्रमुख स्रोतः

अमेरिका के संविधान

- संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, सरकार की संघीय संरचना, निर्वाचक मंडल, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और सरकार की तीन शाखाओं के बीच शक्तियों का पृथक्करण, न्यायिक समीक्षा, सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में राष्ट्रपति, कानून के तहत समान सुरक्षा।
- ब्रिटिश संविधान सरकार का संसदीय स्वरूप, एकल नागरिकता का विचार, कानून के शासन का विचार, रिट, स्पीकर की संस्था और उसकी भूमिका, कानून बनाने की प्रक्रिया, कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया।
- आयरिश संविधान (आयरलैंड) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत, राज्यसभा में सदस्यों का नामांकन, राष्ट्रपति के चुनाव की विधि। जे

13. **(a)**

व्याख्याः भारतीय संविधान के तीसरी अनुसूची में भारत के मुख्य न्यायाधीश के लिये शपथ शामिल नहीं है।

अतः विकल्प (a) सही है।

- तीसरी अनुसूची में निम्नलिखित संवैधानिक पदों की शपथ या प्रतिज्ञान के प्रपत्र शामिल हैं:
- भारत के केंद्रीय मंत्री–अनुच्छेद 75(4)
- संसद चुनाव के उम्मीदवार
- संसद सदस्य अनुच्छेद 99
- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश–अनुच्छेद 124(6)
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक अनुच्छेद 148 (2)
- राज्य मंत्री–अनुच्छेद 164(3)
- राज्य विधानमंडल चुनाव के उम्मीदवार
- राज्य विधानमंडल सदस्य–अनुच्छेद 188

- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश–अनुच्छेद 219

14. (a)

व्याख्याः किसी साधारण विधेयक को पारित करने की अंतिम शक्ति राज्य विधानसभा में निहित है।

- राज्य विधान परिषद किसी विधेयक को अधिक से अधिक चार महीने (पहली बार में तीन महीने और दूसरी बार में एक महीने) की अवधि के लिये विलंबित कर सकती है।

अतः विकल्प (a) सही है।

- यदि राज्य विधान परिषद किसी विधेयक को बिना संशोधन के पारित कर देती है अथवा विधानसभा परिषद द्वारा सुझाए गए संशोधनों को स्वीकार कर लेती है, तो विधेयक को दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाता है और उसे राज्यपाल के पास उनकी सहमति के लिये भेज दिया जाता है।
- दूसरी ओर, यदि विधानसभा परिषद द्वारा सुझाए गए संशोधनों को अस्वीकार कर देती है अथवा परिषद उस विधेयक को पूरी तरह से खारिज कर देती है अथवा तीन महीने तक कोई कार्रवाई नहीं करती है, तो विधानसभा विधेयक को पुनः पारित कर सकती है और उसे परिषद को विचार करने के लिये भेज सकती है।
- यदि परिषद विधेयक को दोबारा खारिज कर देती है अथवा ऐसे संशोधनों के साथ विधेयक को पारित कर देती है जो विधानसभा को स्वीकार्य नहीं हैं अथवा एक महीने के भीतर विधेयक को पारित नहीं करती है, तब विधेयक को दोनों सदनों द्वारा उसी रूप में पारित माना जाता है जिस रूप में इसे विधानसभा द्वारा दूसरी बार पारित किया गया था।

15. (a)

व्याख्याः समानुपातिक प्रतिनिधित्त्व (PR) का प्रयोग करने वाली निर्वाचन प्रणालियाँ यह सुनिश्चित करती हैं कि निर्वाचित निकाय मतदाताओं के आनुपातिक विभाजन को दर्शाते हों। यह अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती है।

- यदि n% मतदाता किसी राजनीतिक दल का अपनी पसंद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव करते हैं, तो उसे लगभग n% सीटें प्राप्त होती हैं।
- इन प्रणालियों की मूलभूत विशेषता यह है कि चुनाव के परिणाम में प्रत्येक वोट का महत्त्व होता है, न कि कंवल बहुलता अथवा साधारण बहुमत का।
- भारतीय संविधान राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव एवं राज्यसभा और विधान परिषदों के चुनाव के लिये समानुपातिक प्रतिनिधित्त्व प्रणाली का तीसरा और जटिल रूप निर्धारित करता है।

अतः विकल्प (a) सही है।

16. (d)

व्याख्याः सीवीसी की स्थापना सरकार द्वारा फरवरी 1964 में श्री के. संथानम की अध्यक्षता वाली भ्रष्टाचार निवारण समिति की सिफारिशों पर की गई थी। 2003 में, संसद ने सीवीसी को वैधानिक दर्जा प्रदान करते हुए सीवीसी अधिनियम लागू किया। सीवीसी किसी मंत्रालय/विभाग 'द्वारा नियंत्रित नहीं है। यह एक स्वतंत्र निकाय है जो केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है।

अतः विकल्प (d) सही है।

- अन्य सभी निकाय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं।

17. (a)

व्याख्याः ग्राम सभा एक निकाय है जिसमें ग्राम स्तर पर पंचायत क्षेत्र में शामिल गाँव की मतदाता सूची में पंजीकृत व्यक्ति शामिल होते हैं।

- ग्राम सभा में पंचायत क्षेत्र के सभी पंजीकृत मतदाता शामिल होते हैं। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- यह ग्रामीण स्तर पर राज्य की विधायिका द्वारा निर्धारित ऐसी शक्तियों का प्रयोग और कार्य कर सकता है।

18. (b)

व्याख्याः भारतीय संविधान किसी विधेयक पर दोनों राज्यविधान मण्डल के सदनों के बीच असहमति का हल करने के लिये दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के आयोजन की व्यवस्था प्रदान नहीं करता है। दूसरी ओर, किसी साधारण विधेयक पर असहमति का हल करने के लिये लोकसभा तथा राज्यसभा की संयुक्त बैठक का प्रावधान है।

अतः कथन (1) सही है।

- यदि राज्य विधान परिषद में प्रस्तुत किये गए और राज्य विधानसभा को भेजे गए किसी विधेयक को विधानसभा द्वारा खारिज कर दिया जाता है, तो विधेयक समाप्त हो जाता है और निष्क्रिय हो जाता है।
- राज्य विधानसभा के सदस्यों के विपरीत, राज्य विधान परिषद के सदस्य का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से होता हैं। परिषद् की अधिकतम संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या की एक–तिहाई तथा न्यूनतम 40 निर्धारित है। इसका अर्थ है कि परिषद के सदस्यों की संख्या संबंधित राज्य की विधानसभा के सदस्यों की संख्या पर निर्भर करता है। यह राज्य के विधायी मामलों में प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदन (विधानसभा) की प्रधानता सुनिश्चित करने के लिये किया जाता है। हालाँकि संविधान द्वारा अधिकतम और न्यूनतम सीमाएँ निर्धारित हैं. एक परिषद के सदस्यों वास्तविक संख्या संसद द्वारा तय की जाती है।

अतः कथन (2) सही है। अतः विकल्प (b) सही है।

19. (c)

व्याख्याः अवशिष्ट विषयों (अर्थात, तीन सूचियों में से किसी में भी शामिल नहीं किये गए विषय) के संबंध में कानून बनाने की शक्ति संसद में निहित है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- कानून की अवशिष्ट शक्ति के अंतर्गत अवशिष्ट कर लागू करने की शक्ति शामिल है।
- वे शक्तियाँ जो संविधान के किसी भी खंड में निर्दिष्ट नहीं है. अवशिष्ट शक्तियाँ कहलाती हैं। संविधान के अनुसार इस शक्तियों को तीनों श्रेणियों अर्थात् राज्य, संघ और समवर्ती सूची में सूचीबद्ध नहीं किया गया है।
- किसी नए विषय को क्रियान्वित करने का अधिकार या क्षमता अवशिष्ट विषय कहलाती है।
- भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची भारत में केंद्र सरकार और कई राज्य सरकारों के बीच शक्तियों के विभाजन से संबंधित है। भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची से बनी हैं। समसामयिक विषयों पर कानून बनाने की शक्ति संघीय सरकार में निहित है।

20. (d)

व्याख्याः किसी भी कार्य के संचालन के लिये राज्य विधान सभा में उपस्थित होने के लिये न्यूनतम सदस्यों की उपस्थित आवश्यक होती है जिसे कोरम कहा जाता है।

- विधानसभा में, यह सदन के कुल सदस्यों (पीठासीन अधिकारी सहित) का दसवाँ भाग है।

अतः विकल्प (d) सही है।

- यदि सदन की बैठक में कोरम नहीं है, तो पीठासीन अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह सदन को स्थगित कर दे अथवा कोरम पूरा होने तक बैठक को निलंबित कर दे।

21. (a)

व्याख्याः केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC):

- केंद्रीय सतर्कता आयोग केंद्र सरकार की भ्रष्टाचार रोधी मुख्य एजेंसी है।
- इसकी स्थापना केंद्र सरकार के एक कार्यकारी प्रस्ताव द्वारा वर्ष 1964 में की गई थी।
- भ्रष्टाचार निवारण पर श्संथानम समितिश (1962–64) ने इसकी स्थापना की सिफारिश की थी।

अतः विकल्प (a) सही है।

- इस प्रकार, केंद्रीय सतर्कता आयोग मूल रूप से न तो एक संविधानिक निकाय थी और न ही एक वैधानिक निकाय। बाद में, वर्ष 2003 में, संसद ने केंद्रीय सतर्कता आयोग को वैधानिक दर्जा प्रदान करने हेतु एक कानून बनाया।
- बहु–सदस्यीय इस आयोग में एक केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (अध्यक्ष) और अधिकतम दो. सतर्कता आयुक्त (सदस्य) होते. हैं।
- केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सतर्कता आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री (अध्यक्ष), गृह मंत्री (सदस्य) और लोकसभा में विपक्ष के नेता (सदस्य) की एक समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाती है।)
- केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और सतर्कता आयुक्तों का कार्यकाल उनके कार्यालय में प्रवेश करने की तारीख से चार वर्ष अथवा उनके 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, होता है।

22. (a)

व्याख्याः

भारतीय संविधान क अनुच्छेद	संबंधित प्रावधान
अनुच्छेद 243D	प्रत्येक पंचायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिये सीटों का आरक्षण।
अनुच्छेद 243E	(पंचायतों की अवधि), प्रत्येक पंचायत, यदि तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन पहले ही विघटित नहीं कर दी जाती है तो, अपने प्रथम अधिवेशन के लिये नियत तारीख से पाँच वर्ष तक बनी रहेगी, इससे अधिक नहीं।
अनुच्छेद 243L	(केंद्रशासित प्रदेशों पर लागू होना), इस ह्वाग के प्रावधान केंद्रशासित प्रदेशों पर लागू होंगे और इस प्रकार लागू होंगे मानो किसी राज्य के राज्यपाल के प्रति निर्देश, अनुच्छे 239 के अधीन नियुक्त केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासक के प्रति निर्देश हो।

अतः विकल्प (a) सही है।

23. **(d)**

व्याख्याः एक संस्थान के तौर पर भारत में उच्च न्यायालय की शुरुआत वर्ष 1862 में हुई जब कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में उच्च न्यायालय की स्थापना की गई थी। इन तीन उच्च न्यायालयों की स्थापनाः भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1861 के प्रावधानों के तहत की गई थी।

- चौथा उच्च न्यायालय इलाहाबाद में वर्ष 1866 में स्थापित किया गया था। बदलते समय के साथ, ब्रिटिश भारत के प्रत्येक प्रांत में स्वयं का उच्च न्यायालय स्थापित हो गया। वर्ष 1950 के बाद प्रांत में मौजूद उच्च न्यायालय को उस राज्य के उच्च न्यायालय के रूप में जाना जाने लगा।

अतः विकल्प (d) सही है।

- भारत का संविधान प्रत्येक राज्य के लिये एक उच्च न्यायालय का प्रावधान करता है, किंतु वर्ष 1956 के सातवें संशोधन अधिनियम द्वारा संसद को यह अधिकार प्रदान किया गया कि वह दो अथवा दो से अधिक राज्यों, दो अथवा दो से अधिक राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिये एक समान उच्च न्यायालय स्थापित कर सकता है।
- उच्च न्यायालय का क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार राज्य के क्षेत्र के साथ समाप्त हो जाता है। इसी प्रकार, एक सामान्य उच्च न्यायालय का क्षेत्रीय क्षेत्राधिकार संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के क्षेत्रों तक होता है।

24. **(d)**

व्याख्याः धन विधेयक विधान परिषद में पेश नहीं किया जा सकता।

- इसे केवल विधानसभा में राज्यपाल की अनुशंसा के पश्चात् ही पेश किया जा सकता है। इस प्रकार के प्रत्येक विधेयक को सरकारी विधेयक माना जाता है और इसे केवल एक मंत्री द्वारा ही पेश किया जा सकता है।
- जब कोई धन विधेयक राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो वह या तो अपनी सहमति दे सकता है, अपनी असहमति व्यक्त कर सकता है या विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति के लिये आरक्षित रख सकता है, किंतु उस विधेयक को राज्य विधानमंडल के पास पुनर्विचार के लिये वापस नहीं भेज सकता है।
- आम तौर पर, राज्यपाल किसी धन विधेयक पर अपनी सहमति दे देता है क्योंकि यह उसकी पूर्व अनुमति से राज्य विधानमंडल में पेश किया जाता है।

अतः विकल्प (d) सही हैं।

25. **(c)**

व्याख्याः पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) (PESA) अधिनियमः

- "पंचायतों से संबंधित संविधान के भाग IX के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित करने के लिये" वर्ष 1996 में च्चौ। अधिनियम अधिनियमित किया गया था।
- इस अधिनियम के तहत, अनुसूचित क्षेत्र. वे हैं जिनका वर्णन अनुच्छेद 244 (1) में किया गया हैं, इस अनुच्छेद के अनुसार पाँचवीं अनुसूची के प्रावधान असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के अतिरिक्त अन्य राज्यों में अनुसूचित क्षेत्रों व अनुसूचित
- जनजातियों पर लागू होंगे।

अतः कथन (1) सही नहीं है।

- पाँचवीं अनुसूची इन क्षेत्रों के लिये कई विशेष प्रावधान करती है।
- दस राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़. गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना– ने पाँचवीं अनुसूची क्षेत्र अधिसूचित किये हैं जिनमें इनमें से प्रत्येक राज्य में (आंशिक अथवा पूर्ण रूप से) कई जिले शामिल हैं। **अतः कथन (2) सही है।**
- यह अधिनियम ग्राम सभाओं को विकास योजनाओं की मंजूरी देने और सभी सामाजिक क्षेत्रों को नियंत्रित करने में प्रमुख भूमिका का अधिकार प्रदान करता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

26. **(a)**

व्याख्याः राज्य विधानसभा का अध्यक्ष विधानसभा की सभी समितियों के अध्यक्ष की नियुक्ति करता है और उनके कामकाज की निगरानी करता है। वह स्वयं व्यवसाय सलाहकार समिति, नियम समिति तथा सामान्य प्रयोजन समिति का अध्यक्ष होता है।

अतः विकल्प (a) सही है।

राज्य विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियाँ एवं कार्यः

- वह विधानसभा के कामकाज के सचालन और इसकी कार्यवाही को विनियमित करने के लिये व्यवस्था और मर्यादा बनाए रखता है। यह उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है, और इस संबंध में अंतिम शक्ति उसमें निहित होती है।
- वह (a) भारत के संविधान, (b) विधानसभा की प्रक्रिया और संचालन के नियम, और (c) विधानसभा के अंदर विधायी फैसलों के प्रावधानों का निर्णायक/अंतिम व्याख्याता होता है।
- वह गणपूर्ति के अभाव में विधानसभा को स्थगित अथवा बैठक को निलंबित कर सकता है।
- मत सामान होने की स्थिति में वह निर्णायक मत दे सकता है।
- वह सदन के नेता के अनुरोध पर सदन की शगुप्तश बैठक की अनुमति दे सकता है।
- कोई विधेयक धन विधेयक है अथवा नहीं इसका निर्णय राज्य विधानसभा का अध्यक्ष करता है और उसका निर्णय अंतिम होता है।

- वह दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के तहत दलबदल कानून के आधार पर विधानसभा सदस्य की अयोग्यता के मामलों पर निर्णय लेता है।

27. (c)

व्याख्या: **42वाँ सांविधानिक संशोधन अधिनियम, 1978:**

- इस संशोधन द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर अनुच्छेद 300A के तहत मात्र एक कानूनी अधिकार बना दिया। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- अनुच्छेद 31(1) अब अनुच्छेद 300A बन गया जिसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार द्वारा संरक्षित उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा।
- 42वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम 1976:
- संविधान की प्रस्तावना में तीन नए शब्द (यानी समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता) जोड़े गए।
- नागरिकों के मौलिक कर्त्तव्य जोड़े गए (नया भाग IVA)।
- राष्ट्रपति के लिये मंत्रीमंडल की सलाह को मानना बाध्यकारी बनाया गया।
- प्रशासनिक अधिकरणों और अन्य मामलों के लिये अधिकरणों का प्रावधान (भाग XIV A जोड़ा गया)।
- तीन नए निदेशक सिद्धांत जोड़े गए, समान न्याय और मुफ्त कानूनी सहायता (अनुच्छेद 39A के तहत), उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी, तथा पर्यावरण, वन और वन्यजीव सुरक्षा।

28. (b)

व्याख्या:

- भाग XIV संघ और राज्यों के अधीन सेवाओं से संबंधित है। **अतः विकल्प (b) सही है।**
- भाग XIV में 308 से लेकर 323 तक अनुच्छेद शामिल हैं।
- भाग XII वित्त, संपत्ति, अनुबंध और मुकदमों से संबंधित है, भाग XV निर्वाचन से संबंधित तथा भाग XX संविधान में संशोधन से संबंधित है।

भाग	विषय	अनुच्छेद
1	संघ और उसका राज्य क्षेत्र	अनुच्छेद 1 से 4
2	नगरिकता	अनुच्छेद 5 से 11
3	मैलिक अधिकार	अनुच्छेद 12 से 35
4	राज्य के नीति निदेशक तत्व	अनुच्छेद 36 से 51
4क	मौलिक कर्त्तव्य	अनुच्छेद 51(क)
5	संघ	अनुच्छेद 52 से 151
6	राज्य	अनुच्छेद 151 से 237
7	प्हली अनुसूची के भाग ख के राज्य	अनुच्छेद 238 (निरास्त)
9	पंचायते	अनुच्छेद 243 से 243 क से ण
9क	नगरपालिकाए	अनुच्छेद 243 त से 243 यछ
9ख	सहकारी समितिया	अनुच्छेद 243 यज से 243 यन
10	अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्र	अनुच्छेद 244 244 का
11	सघ और राज्यों के बीच संबंध	अनुच्छेद 245 से 263
12	वित, संपति, संविदाएं और वाद	अनुच्छेद 264 से 300 क
13	भारत के राज्य क्षेत्र के अंदर व्यापर, वाणिज्य एवम समागम	अनुच्छेद 301 से 307
14	संघ एवम् राज्यों के अधीन सेवाएँ	अनुच्छेद 308 से 323
14क	अधिकरण	अनुच्छेद 323 क से 323 ख
15	निर्वाचन	अनुच्छेद 324 से 329
16	कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध	अनुच्छेद 330 से 342
17	राजभाषा	अनुच्छेद 343 से 351
18	आपात उपबंध	अनुच्छेद 352 से 360
19	प्रकीर्ण (राष्ट्रपति, राज्यपाल, राजप्रमुख, संसद आदि का संरक्षण)	अनुच्छेद 361 से 367
20	संविधान संशोधन	अनुच्छेद 368
21	अस्थाई संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध	अनुच्छेद 369 से 392
22	संक्षिप्त नाम, प्रारंभ, हिंदी में प्राधिकृत पाठ और निरसन	अनुच्छेद 393 से 395

29. (d)

व्याख्याः केंद्रीय सूचना आयोग की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2005 में की गई थी। इसका गठन सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत एक आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से किया गया था। अतएव यह एक सांविधानिक निकाय नहीं है।

अतः विकल्प (d) सही है।

- भारतीय संविधान भारत में सांविधानिक निकायों की स्थापना और व्याख्या करता है।
- संघ लोक सेवा आयोग भारत की मुख्य भर्ती एजेंसी है जिसका उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 315 से 323 तक किया गया है।
- अनुच्छेद 148 में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का उल्लेख किया गया है।
- वर्ष 1956 के सातवें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के भाग ग्टप्प में एक नया अनुच्छेद 350–B जोड़ा गया, इसमें प्रावधान किया गया कि भाषाई अल्पसंख्यकों के लिये भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त एक विशेष अधिकारी होना चाहिये।

30. (c)

व्याख्याः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 88 में कहा गया है कि संसदीय भूमिका के संदर्भ में भारत के महान्यायवादी का दर्जा संसद के मंत्री के समानांतर होता है।

- अनुच्छेद 88 के अनुसार प्रत्येक मंत्री और भारत के महान्यायवादी को यह अधिकार होगा कि वह संसद के किसी सदन में, सदनों की किसी भी बैठक में और संसद की किसी समीति में, जिसमें उसका नाम सदस्य के रूप में दिया गया है, बोले और उसकी कार्यवाहियों में अन्यथा भाग ले, किंतु इस अनुच्छेद के आधार पर उसे मत देने का अधिकार नहीं होगा है।

अतः विकल्प (c) सही है।

31. (b)

व्याख्याः पर्यावरण संरक्षण और वनों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों के प्रभावी और शीघ्र निपटान के लिये राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम 2010 के तहत वर्ष 2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना की गई थी। इसमें पर्यावरण से संबंधित किसी भी कानूनी अधिकार को लागू करना तथा लोगों और संपत्ति को हुए नुकसान के लिये राहत व मुआवजा प्रदान करना शामिल था।

अतः विकल्प (b) सही है।

- यह बहु–विषयक मुद्दों से जुड़े पर्यावरणीय विवादों के निपटान के लिये आवश्यक विशेषज्ञता से परिपूर्ण एक विशेष निकाय है। सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत निर्धारित प्रक्रियाएँ इस अधिकरण पर बाध्य नहीं होंगी, बल्कि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित होगा।

32. (b)

व्याख्याः भारत के संविधान का अनुच्छेद 280 एक 'वित्त आयोग' का प्रावधान करता है जो एक अर्ध–न्यायिक निकाय है। इसका गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।

- वित्त आयोग में एक अध्यक्ष तथा चार अन्य सदस्य होते हैं जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। **अतः कथन (1) सही नहीं है।**
- वे राष्ट्रपति द्वारा अपने आदेश में निर्दिष्ट अवधि के लिये पद पर बने रहते हैं। वे पुनर्नियुक्ति के पात्र हैं।

अतः कथन (2) सही है। अतः विकल्प (b) सही है।

33. (b)

व्याख्याः **हमारी प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श फ्रांसीसी क्रांति (1789–1799) से लिए गए हैं। न्याय का आदर्श रूसी क्रांति (1917) से लिया गया है।**

अतः विकल्प (इ) सही है।

- प्रस्तावना में 'न्याय' शब्द तीन अलग–अलग रूपों को अपनाता है– सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, जो मौलिक अधिकारों और निर्देशक सिद्धांतों के विभिन्न प्रावधानों के माध्यम से सुरक्षित है।
- सामाजिक न्याय जाति, रंग, नस्ल, धर्म, लिंग के आधार पर बिना किसी सामाजिक भेदभाव के सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार को दर्शाता है।
- आर्थिक न्याय आर्थिक कारकों के आधार पर लोगों के बीच गैर–भेदभाव को दर्शाता है जिसमें धन. आय और संपत्ति में स्पष्ट असमानताओं का उन्मूलन शामिल है।
- राजनीतिक न्याय का तात्पर्य है कि सभी नागरिकों को समान राजनीतिक अधिकार, सभी राजनीतिक कार्यालयों तक समान पहुँच और सरकार में समान आवाज मिलनी चाहिये।

34. (c)

व्याख्याः **103वाँ संशोधन अधिनियम,** 2019 ने स्वतंत्र भारत में पहली बार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये आरक्षण की शुरुआत की। अनुच्छेद 16 में संशोधन सार्वजनिक रोजगार में EWS को 10ः आरक्षण प्रदान करता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- 99वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2014 ने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की कॉलेजियम प्रणाली को राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) नामक एक नए निकाय से प्रतिस्थापित कर दिया।
- 101वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2017 ने माल एवं सेवा कर की शुरुआत की।
- 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 ने भारत के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक निकाय का दर्जा दिया।

35. (b)
व्याख्याः **इस दृष्टि से सातवीं अनुसूची संविधान का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग है। यह भूमिका और जिम्मेदारियों को तीन सूचियों अर्थात् संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में निर्दिष्ट करता है।**
- संघ सूची में राष्ट्रीय महत्त्व के विषय जैसे रक्षा, विदेशी मामले, बैंकिंग, परमाणु ऊर्जा, रेलवे, डाक आदि शामिल हैं।
- राज्य सूची सार्वजनिक व्यवस्था, जेलों, सार्वजनिक स्वास्थ्य, उत्पादन, निर्माण, परिवहन, नशीली शराब की खरीद और बिक्री, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, मत्स्य पालन, राज्य सार्वजनिक सेवाओं आदि जैसे विषयों पर अधिकार क्षेत्र निर्दिष्ट करती है। शव गाड़ना और कब्रिस्तानः शव दाह और 'मशान' राज्य सूची के अंतर्गत आते हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।
- भारत का संविधान आपराधिक कानून, आपराधिक प्रक्रिया, निवारक निरोध, वन, जंगली जानवरों और पक्षियों की सुरक्षा, ट्रेड यूनियन, औद्योगिक एवं श्रम विवाद, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन दिवाला एवं दिवालियापन जैसे विषयों को समवर्ती सूची में निर्दिष्ट करता है।

36. (d)
व्याख्याः **अनुच्छेद 327:** विधानमंडलों के चुनाव के संबंध में प्रावधान करने की संसद की शक्ति।
अतः विकल्प (क) सही है।
- **अनुच्छेद 324:** चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण निर्वाचन आयोग को सौंपा जाएगा।
- **अनुच्छेद 325:** कोई भी व्यक्ति धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर किसी विशेष मतदाता सूची में शामिल होने या शामिल होने का दावा करने के लिये अयोग्य नहीं होगा।
- **अनुच्छेद 326:** वयस्क मताधिकार के आधार पर लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के लिये चुनाव।

37. (b)
व्याख्याः **भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य तत्कालीन सोवियत संघ, अब रूस के संविधान से प्रेरित हैं।**
- स्वर्ण सिंह समिति ने संविधान में मौलिक कर्तव्यों पर एक अलग अध्याय शामिल करने की सिफारिश की। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि नागरिकों को इस बात के प्रति जागरूक होना चाहिये कि अधिकारों का उपयोग करने के अलावा, उन्हें कुछ कर्तव्य भी निभाने हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।
- 42वें संवैधानिक संशोधन ने संविधान में एक नया भाग, भाग IVI जोड़ा, जिसमें केवल एक अनुच्छेद 51A था, जिसमें पहली बार नागरिकों के दस मौलिक कर्तव्यों का एक कोड निर्दिष्ट किया गया था। बाद में, वर्ष 2002 के 86वें संवैधानिक संशोधन के माध्यम से AA वाँ मौलिक कर्तव्य जोड़ा गया।

38. (c)
व्याख्याः **न्यायालयों का रिट क्षेत्राधिकारः**
- भारतीय संविधान ने न्यायालय को नागरिकों के मौलिक अधिकारों (FR) के गारंटर और रक्षक के रूप में सर्वोच्च स्थापित किया है। सर्वोच्च न्यायालय को यह अधिकार प्राप्त है कि वह न्यायादेश जारी कर विक्षिप्त नागरिक के मौलिक अधिकारों की रक्षा करे। उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिये रिट जारी करने का भी अधिकार है।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के रिट क्षेत्राधिकार में भी अंतर है।
- सर्वोच्च न्यायालय केवल मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिये न्यायादेश जारी कर सकता है, अन्य उद्देश्यों के लिये नहीं। वहीं दूसरी ओर, उच्च न्यायालय न केवल मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिये बल्कि अन्य उद्देश्यों के लिये भी न्यायादेश जारी कर सकता है। **अतः कथन (1) सही है।**
- उच्च न्यायालय का न्यायादेश क्षेत्राधिकार सर्वोच्च न्यायालय की तुलना में व्यापक है। लेकिन संसद सर्वोच्च न्यायालय को अन्य उद्देश्यों के लिये भी न्यायादेश जारी करने की शक्ति प्रदान कर सकती है। अतः कथन (2) सही है।

अतः विकल्प (c) सही है।

39. (c)
व्याख्याः
- भारतीय संविधान के दूसरी अनुसूची, निम्नलिखित के लिये परिलब्धियों, भत्तों तथा विशेषाधिकारों से संबंधित है:
- भारत के राष्ट्रपति

- राज्यों के राज्यपाल
- लोकसभा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष
- राज्यसभा के सभापति एवं उपसभापति
- राज्यों में विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष
- राज्यों में विधान परिषद के सभापति एवं उपसभापति
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश
- उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश
- नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
- भारत के महान्यायवादी के संबंध में किसी भी भत्ते का कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

अतः विकल्प (c) सही है।

40. **(b)**

व्याख्याः लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 में केंद्रीय स्तर पर लोकपाल और राज्यों के लिये लोकायुक्त की स्थापना का प्रावधान है। ये संस्थाएँ बिना किसी संवैधानिक स्थिति के वैधानिक निकाय हैं।

- वर्ष 1809 में सबसे पहले स्वीडन द्वारा लोकपाल संस्था की स्थापना की गई थी।

अतः विकल्प (b) सही है।

- 20वीं सदी में, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लोकपाल एक संस्था के रूप मेंअधिक विकसित हुआ। न्यूजीलैंड और नॉर्वे ने वर्ष 1962 में इस प्रणाली को अपनाया और यह निर्णय लोकपाल की अवधारणा का प्रसार करने में बहुत ही महत्त्वपूर्ण सिद्ध हुई।
- वर्ष 1967 में, 1961 की व्हाइट रिपोर्ट की सिफारिशों पर, ग्रे ब्रिटेन ने लोकपाल की संस्था को अपनाया और ऐसी व्यवस्था अपनाने वाला लोकतांत्रिक विश्व का पहला प्रमुख राष्ट्र बन गया।

41. **(a)**

व्याख्याः इलाहाबाद की संधि के अनुसार, नवाब शुजा–उद–दौला ने इलाहाबाद और कारा को सम्राट शाह आलम द्वितीय को सौंपने एवं कंपनी को युद्ध क्षतिपूर्ति के रूप में 50 लाख रुपए देने पर सहमति व्यक्त की।

अतः कथन 1 सही है।

- शाह आलम द्वितीय ने 26 लाख रुपए के वार्षिक भुगतान के बदले में ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार और ओडिशा की दीवानी देने का फरमान जारी करने पर सहमति व्यक्त की। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (a) सही है।

42. **(b)**

व्याख्याः

- कारखाना अधिनियम 1947
- सारदा अधिनियम 1929
- दहेज निषेध अधिनियम 1961
- विशेष विवाह अधिनियम 1954

अतः विकल्प (b) सही है।

43. **(d)**

व्याख्याः

विद्रोह के स्थान	**भारतीय नेता**	**ब्रिटिश अधिकारी जिन्होंने विद्रोह को दबाया**
दिल्ली	बहादुर शाह द्वितीय	जॉन निकोलसन
लखनऊ	बेगम हजरत महल	हेनरी लॉरेंस
कानपुर	नाना साहब	सर कॉलिन कैंपबेल
झाँसी से ग्वालियर	लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे	जनरल ह्यू रोज
बरेली	खान बहादुर खान	सर कॉलिन कैंपबेल
इलाहाबाद और बनारस	मौलवी लियाकत अली	कर्नल ओन्सेल
बिहार	कुँवर सिंह	विलियम टेलर

अतः विकल्प (d) सही है।

44. **(a)**

व्याख्याः

घटनाएँ	वायसराय
' इल्बर्ट बिल	' लॉर्ड रिपन
' काकोरी षड़यंत्र	' लॉर्ड रीडिंग
' लखनऊ संधि	' लॉर्ड चेम्सफोर्ड
' प्रत्यक्ष कार्रवाई दिवस	' लॉर्ड वेवेल

अतः विकल्प (a) सही है।

45. **(c)**

व्याख्याः त्रावणकोर की रियासत में सामंती, सैन्यवादी और रीति–रिवाजों से ग्रस्त सरकार की क्रूर व्यवस्था थी, त्रावणकोर में कुछ सबसे कठोर, परिष्कृत और क्रूर सामाजिक मानदंड एवं रीति–रिवाज देखे गए थे।

- एझावा और पुलाया जैसी निम्न जातियों को दूषित माना जाता था और उन्हें ऊँची जातियों से दूर रखने हेतु कई नियम लागू थे।
- 30 मार्च, 1924 को सत्याग्रहियों ने न केवल मंदिर में प्रवेश पर बल्कि मंदिरों के आसपास की सड़कों पर चलने पर भी प्रतिबंध सहित विभिन्न गैर–सामाजिक मानदंडों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया।
- माधवन, के.पी. केशव मेनन जो केरल प्रदेश कॉन्ग्रेस कमेटी के तत्कालीन सचिव थे और कॉन्ग्रेस नेता एवं शिक्षाविद् के केलप्पन (जिन्हें केरल गांधी के नाम से भी जाना जाता है) को वाइकोम सत्याग्रह आंदोलन का अग्रदूत माना जाता है।
- वर्ष 2024 वाइकोम सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है।

अतः विकल्प (c) सही है।

46. **(c)**

व्याख्याः मसूलीपट्टनम शहर कृष्णा नदी के डेल्टा पर स्थित है। यह सत्रहवीं शताब्दी में गहन आर्थिक गतिविधियों का केंद्र था।

- डच और अंग्रेजी ईस्ट इंडिया दोनों कंपनियों ने मसूलीपट्टनम. को नियंत्रित करने का प्रयास किया क्योंकि यह आंध्र तट पर सबसे महत्त्वपूर्ण बंदरगाह बन गया था। अतः अभिकथन A सत्य है जबकि कथन R गलत है।

अतः विकल्प (c) सही है।

47. **(d)**

व्याख्याः वर्ष 1882 में सरकार ने 1854 की प्रेषण के बाद से देश की शैक्षिक प्रगति की समीक्षा करने के लिये एक आयोग नियुक्त किया, जिसकी अध्यक्षता डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर ने की।

- हंटर आयोग की सिफारिशें प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर केंद्रित थीं।

अतः विकल्प (d) सही है।

48. **(c)**

व्याख्याः लाला लाजपत राय भारत के महानतम स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्हें श्पंजाब केसरीश और श्पंजाब का शेरश भी कहा जाता था।

- उन्होंने लोगों के कल्याण के लिये 1921 में सर्वेंट्स ऑफ पीपल सोसाइटी की स्थापना की। **अतः कथन 1 सही है।**
- देशबंधु चितरंजन दास ने वर्ष 1922 में पंडित मोतीलाल नेहरू और लाला लाजपत राय के साथ स्वराज पार्टी की स्थापना की। **अतः कथन 2 सही है।**

अतः विकल्प (c) सही है।

49. **(a)**

व्याख्याः वर्ष 1890 में एन. एम. लोखंडे ने बॉम्बे मिल हैंड्स एसोसिएशन की स्थापना की जो भारत में पहला संगठित श्रमिक संघ था।

- उन्होंने बॉम्बे मिलहँड्स एसोसिएशन की स्थापना की और मराठी में श्दीनबंधश नामक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया।
- लाला लाजपत राय 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख नेता थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस, हिंदू महासभा और आर्य समाज में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह एक लेखक और पत्रकार भी थे और उनकी रचनाओं में "द स्टोरी ऑफ माई डिपोर्टेशन" एवं "अनहैप्पी इंडिया" शामिल हैं।
- बी.पी.वाडिया ने वर्ष 1918 में मद्रास श्रमिक संघ का गठन किया। यह भारत के पहले संगठित श्रमिक संघों में से एक था।
- सोराबजी शापूरजी बंगाली भारतीय एम्बुलेंस कोर में शामिल होने वाले पहले व्यक्ति थे, जिसका गठन युद्ध के घोषणा के समय लंदन में किया गया था और उन्होंने नेटली में बीमारों एवं घायलों की सेवा की थी।

अतः विकल्प (a) सही है।

50. **(c)**

व्याख्याः जमींदारी प्रथा वर्ष 1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त के माध्यम से शुरू की गई थी।

- इसने निश्चित किराए या अधिभोग अधिकारों के प्रावधान के बिना सदस्यों के भूमि अधिकारों को स्थायी रूप से स्थापित कर दिया।

- जमींदारों नामक बिचौलियों के माध्यम से किसानों से भू–राजस्व एकत्र किया जाता था। उन्हें भूमि के स्थायी मालिकों के रूप में मान्यता दी गई थी।
- यह बंगाल, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में प्रचलित था।

अतः विकल्प (c) सही है।

51. **(b)**

व्याख्याः अखिल भारतीय मजदूर संघ कॉन्ग्रेस की स्थापना 31 अक्तूबर, 1920 को हुई थी। लाला लाजपत राय को ।प्ज्न्ब के पहले अध्यक्ष और दीवान चमन लाल को पहले महासचिव के रूप में चुना गया था।

- प्रमुख कॉन्ग्रेस और स्वराजवादी नेता सी.आर. दास ने ।प्ज्न्ब के तीसरे एवं चौथे सत्र की अध्यक्षता की। कॉन्ग्रेस के गया अधिवेशन (वर्ष 1922) में AITUC/एटक के गठन का स्वागत किया गया।
- अन्य नेता जिन्होंने एटक के साथ निकट संपर्क बनाए रखा, उनमें नेहरू, सुभाष बोस, सी.एफ. एंड्रयूज, जे.एम. सेनगुप्ता, सत्यमूर्ति, वी.वी. गिरि और सरोजिनी नायडू शामिल थे।
- प्रारंभ में AITUC ब्रिटिश लेबर पार्टी के सामाजिक लोकतांत्रिक विचारों से प्रभावित था।

अतः विकल्प (b) सही है।

52. **(b)**

व्याख्याः चार्ल्स वुड डिस्पैच 1854: यह दस्तावेज "भारत में अंग्रेजी शिक्षा के मैग्ना कार्टा" पर विचार करता है।

- हंटर शिक्षा आयोग–1882रू यह लॉर्ड रिपन द्वारा गठित किया गया था। यह एक संकेतक आयोग था जिसका उद्देश्य वर्ष 1854 के वुड्स डिस्पैच के गैर–कार्यान्वयन के प्रदर्शनकारियों के मुद्दों पर गौर करना था।
- रैले आयोग–1902: इसकी स्थापना सर थॉमस रैले की अध्यक्षता में भारत में विश्वविद्यालयों की स्थिति और संभावनाओं की जाँच करने के लिये की गई थी।
- ली आयोग–1924: इसकी स्थापना भारत सरकार की श्रेष्ठ सिविल सेवा की नस्लीय संरचना की जाँच करने के संदर्भ में की गई थी।

अतः विकल्प (b) सही है।

53. **(a)**

व्याख्याः जमींदारों ने पूर्वी बंगाल के बड़े हिस्सों में जबरन लगान और भूमि कर वसूल किया, जो प्रायः गरीब किसानों के लिये बढ़ाया जाता था। किसानों को वर्ष 1859 के अधिनियम ग के तहत अधिग्रहण अधिकार प्राप्त करने से भी रोका गया था।

- मई 1873 में पबना जिले, पटना (पूर्वी बंगाल) के यूसुफशाही परगना में एक एग्रेरियन लीग का गठन किया गया था।
- किराया हड़ताले आयोजित की गई, धन जुटाया गया और यह संघर्ष पूरे पटना और पूर्वी बंगाल के अन्य जिलों में फैल गया।
- आंदोलन वर्ष 1885 तक जारी रहा जब सरकार ने 1885 के बंगाल किरायेदारी अधिनियम द्वारा अधिग्रहण अधिकारों को बढ़ाया।
- सरकार द्वारा पारित वर्ष 1885 के बंगाल किरायेदारी अधिनियम ने अधिग्रहण अधिकारों को बढ़ा दिया, हालाँकि तब तक आंदोलन जारी रहा।
- आंदोलन को बंकिम चंद्र चटर्जी, आर.सी. दत्त और सुरेंद्रनाथ बनर्जी के अधीन इंडियन एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त था।

अतः विकल्प (a) सही है।

54. **(c)**

व्याख्याः इंद्र नारायण द्विवेदी, गौरी शंकर मिश्र और मदन मोहन मालवीय ने वर्ष 1918 में लखनऊ में उत्तर प्रदेश किसान सभा की स्थापना की।

- जून 1919 तक यूपी किसान सभा की 450 शाखाएँ थीं। अन्य प्रसिद्ध नेताओं में बाबा रामचन्द्र, दुर्गापाल सिंह और झिंगुरी सिंह शामिल थे।

अतः विकल्प (ब) सही है।

55. **(b)**

व्याख्याः कलकत्ता मदरसा की स्थापना वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा वर्ष 1781 में मुस्लिम कानून और संबंधित विषयों के अध्ययन के लिये की गई थी।

- हिंदू कानून और दर्शन के अध्ययन के लिये वर्ष 1791 में बनारस में जोनाथन डंकन द्वारा संस्कृत कॉलेज की स्थापना की गई थी।
- कलकत्ता मदरसा और संस्कृत कॉलेज को कंपनी के न्यायालय में कानून के प्रशासन में सहायता के लिये योग्य भारतीयों की निरंतर आपूर्ति प्रदान करने के लिये डिजाइन किया गया था एवं भारतीय राज्यों के साथ पत्राचार में शास्त्रीय भाषाओं तथा स्थानीय भाषाओं का ज्ञान उपयोगी था।

अतः विकल्प (b) सही है।

56. **(a)**

व्याख्याः ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड द्वारा 6 अगस्त, 1932 को सांप्रदायिक पंचाट की घोषणा की गई थी।

- भारतीय फ्रेंचाइज समिति (जिसे लोथियन समिति भी कहा जाता है) के सिफारिशों के आधार पर सांप्रदायिक पंचाट ने दलित वर्गों
- सहित अल्पसंख्यकों के लिये अलग निर्वाचन क्षेत्र और आरक्षित सीटें स्थापित कीं, जिन्हें 78 आरक्षित सीटें प्रदान की गई।
- सांप्रदायिक पंचाट के मुख्य प्रावधानों में शामिल हैं:
- प्रांतीय विधानमंडलों की मौजूदा सीटों को दोगुना किया गया।
- उत्तर पश्चिमी सीमांत प्रांत को छोड़कर सभी प्रांतों में महिलाओं के लिये 3 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई।
- दलित वर्गों को श्दोहरे मतश का प्रावधान किया गया, एक मत का उपयोग अलग निर्वाचन क्षेत्रों के लिये और दूसरे मत का उपयोग सामान्य निर्वाचन क्षेत्रों के लिये किया गया।
- बम्बई प्रांत में मराठों के लिये 7 सीटें आवंटित की गई।

अतः विकल्प (a) सही है।

57. (c)

व्याख्या: 1857 का विद्रोह रीज के अनुसार, ईसाई धर्म के विरुद्ध युद्ध था न कि आर. होम्स के अनुसार।

- आर. होम्स के अनुसार, यह सभ्यता और बर्बरता का संघर्ष था।

अतः विकल्प (c) सही है।

58. (c)

व्याख्या: वर्ष 1889 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस द्वारा ब्रिटेन में श्ब्रिटिश कमेटी ऑफ द इंडियन नेशनल कॉन्ग्रेसश का गठन किया गया। **अतः कथन 1 सही है।**

- इस समिति ने डब्ल्यू.सी. बोनर्जी और दादाभाई नौरोजी के कार्यों का अनुसरण किया।
- इस समिति का उद्देश्य ब्रिटेन में जनता को भारतीय मुद्दों के बारे में जागरूक करना था जिसके लिये भारत सरकार जिम्मेदार थी। **अतः कथन 2 सही है**
- यह सुझाव दिया गया कि सत्र लंदन में आयोजित किया जाएगा, लेकिन वर्ष 1891 के ब्रिटिश चुनावों के कारण इस प्रस्ताव को स्थगित कर दिया गया।

अतः विकल्प (c) सही है।

59. (c)

व्याख्या: कॉन्ग्रेस के पूर्व संघों में इंडियन नेशनल एसोसिएशन सबसे महत्त्वपूर्ण था और इसका उद्देश्य वैध तरीके से लोगों की राजनीतिक, बौद्धिक एवं भौतिक उन्नति को बढ़ावा देना था।

- भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) और इंडियन नेशनल एसोसिएशन का वर्ष 1886 में कलकत्ता में कॉन्ग्रेस की दूसरी बैठक के दौरान विलय हो गया।
- सुरेंद्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस ने इंडियन नेशनल एसोसिएशन की स्थापना की।

अतः विकल्प (c) सही है।

60. (b)

व्याख्या: बंगाल विभाजन के विरुद्ध बहिष्कार प्रस्ताव पारित किया गया– अगस्त 1905

- बंगाल का विभाजन प्रभावी हुआ अक्तूबर 1905
- दादाभाई नौरोजी ने घोषणा की कि कॉन्ग्रेस का लक्ष्य स्वराज है– दिसंबर 1906
- सूरत विभाजन दिसंबर 1907

अतः विकल्प (b) सही है।

61. (c)

व्याख्या: प्रार्थना समाज हिंदू धर्म के भीतर एक सुधार आंदोलन था। इसकी स्थापना वर्ष **1867** में हुई थी और इसने महाराष्ट्र पुनर्जागरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दादोबा पांडुरंग एवं आत्माराम पांडुरंग प्रार्थना समाज के संस्थापक हैं।

- प्रार्थना समाज द्वारा सामाजिक जागरूकता के लिये सुबोध–पत्रिका नामक मुखपत्र चलाया जाता था। यह मराठी–अंग्रेजी भाषाओं में प्रकाशित हुआ था।
- बंग दूत अखबार की स्थापना राजा राम मोहन राय और द्वारकानाथ टैगोर ने की थी।
- दिग्दर्शन की शुरुआत बालशास्त्री जांभेकर ने की थी जिन्हें मराठी पत्रकारिता का जनक भी माना जाता है।
- बंगदर्शन की शुरुआत बंकिम चंद्र चटर्जी ने की थी।

अतः विकल्प (c) सही है।

62. (d)

व्याख्या: वेलेजली ने मराठाओं को मैसूर साम्राज्य के सूंडा और हारपोनेली जिलों की पेशकश की. जिसे बाद में उन्होंने अस्वीकार कर दिया। निजाम को गूटी और गुर्रमकोंडा जिले दिये गए।

- अंग्रेजों ने कनारा, वायनाड, कोयंबटूर, द्वारपोरम और सेरिंगपट्टम पर कब्जा कर लिया।
- मैसूर का नया राज्य एक अल्प आयु शासक कृष्णराज तृतीय के अधीन पुराने हिंदू राजवंश (वोडेयर्स) को सौप दिया गया, जिन्होंने सहायक संधि स्वीकार कर लिया। **अतः कथन 1 सही है।**
- वर्ष 1831 में विलियम बेटिक ने कुशासन के आधार पर मैसूर पर अधिकार कर लिया। **अतः कथन 2 सही है।**
- बाद में 1881 में लॉर्ड रिपन ने राज्य को उसके शासक को बहाल कर दिया। **अतः कथन 3 सही है।**

अतः विकल्प (d) सही है।

63. **(a)**

व्याख्याः इल्बर्ट बिलः

- यह विधेयक लॉर्ड रिपन ने भारतीय दंड संहिता से नस्लीय पूर्वाग्रह को दूर करने के लिये पेश किया। तत्कालीन प्रचलित कानून के अनुसार, किसी यूरोपीय पर केवल यूरोपीय न्यायाधीशध्मजिस्ट्रेट द्वारा ही मुकदमा चलाया जा सकता था।
- यूरोपीय लोगों ने सी.पी. इल्बर्ट द्वारा पेश किये गए इल्बर्ट बिल का कड़ा विरोध किया, जिसने इस तरह की भेदभावपूर्ण प्रथा को समाप्त करने की मांग की थी।
- हालाँकि रिपन को भारत में अंग्रेज लोगों को संतुष्ट करने के लिये बिल में संशोधन करने के लिये मजबूर होना पड़ा कि अंग्रेज पर भारतीय मजिस्ट्रेटों द्वारा मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। अंततः बिल वापस ले लिया गया एवं बाद में इसे पुनः प्रस्तुत किया गया जिसे 1884 में अधिनियमित किया गया।

अतः विकल्प (a) सही है।

64. **(d)**

व्याख्याः मुहम्मद इकबाल एक कवि–दार्शनिक थे, जिन्होंने खुदी के दर्शन को बढ़ावा दिया जो इस्लामी दुनिया के बौद्धिक एवं सांस्कृतिक पुनर्निर्माण से संबंधित था।

- सारे जहाँ से अच्छा औपचारिक रूप से "तराना–ए–हिंदी" के रूप में जाना जाता है, यह उर्दू कविता की गजल शैली में कवि मुहम्मद इकबाल द्वारा लिखे गए बच्चों के लिये एक उर्दू भाषा का देशभक्ति गीत है। यह कविता 1904 में प्रकाशित हुई थी।
- उन्हें व्यापक रूप से पाकिस्तान आंदोलन को प्रेरित करने वाला माना जाता है। उन्हें पाकिस्तान का आध्यात्मिक पिता कहा जाता है।
- खिलाफत आंदोलन की स्थापना वर्ष 1919 में मोहम्मद अली और शौकत अली (आमतौर पर अली बंधुओं के रूप में जाना जाता है) के नेतृत्व में हुई थी।
- हसरत मोहानी वर्ष 1907 तक कॉन्ग्रेस से जुड़े रहे। बाल गंगाधर तिलक के पार्टी छोड़ने के तुरंत बाद उन्होंने कॉन्ग्रेस छोड़ दी। वह तिलक के करीबी सहयोगियों में से एक थे। मौलाना हसरत मोहानी ने वर्ष 1921 में इंकलाब जिंदाबाद का नारा लिखा था।

अतः विकल्प (क) सही है।

65. **(c)**

व्याख्याः प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध से पहले पेशवा बनने के लिये उनकी मदद प्राप्त करने के लिये रघुनाथ राव और अंग्रेजों के बीच सूरत की संधि (1775) पर हस्ताक्षर किये गए थे।

- वर्ष 1777 में नाना फड़नवीस ने फ्राँसीसी बंदरगाह हासिल करके ब्रिटिश कलकत्ता काउंसिल के साथ अपनी संधि का उल्लंघन करने की कोशिश की। अंग्रेजों ने पुणे की ओर एक सेना भेजकर जवाबी कार्रवाई की। महादजी सिंधिया की कमान में मराठों ने प्रथम आंग्ल मराठा युद्ध जीता। वडगाँव की संधि (1779) पर हस्ताक्षर किये गए।
- बाजीराव–द्वितीय और अंग्रेजों के बीच बेसिन की संधि (1802) पर हस्ताक्षर किये गए जिसने द्वितीय आंग्ल मराठा युद्ध का आधार बनाया।
- तीसरे आंग्ल मराठा युद्ध के बाद पेशवा और अंग्रेजों के बीच पूना की संधि (1817) पर हस्ताक्षर किये गये।

अतः विकल्प (c) सही है।

66. **(a)**

व्याख्याः लिटन वर्ष 1876 में भारत के वायसराय बने। उन्होंने "प्राउड रिजर्व" की नीति शुरू की जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक सीमाएँ निर्धारित करना और 'प्रभाव के क्षेत्रों' की सुरक्षा करना था।

- इसके माध्यम से अंग्रेजों ने उन पर नियंत्रण पाने के प्रयास में बफर राज्य स्थापित करने या चयनित क्षेत्रों पर कब्जा करने का प्रयास किया।

अतः विकल्प (a) सही है।

67. **(b)**

व्याख्याः भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने सितंबर 1920 में कलकत्ता में एक कॉन्ग्रेस सत्र के दौरान असहयोग आंदोलन शुरू किया। यह वर्ष 1919 के जलियाँवाला बाग नरसंहार के बाद शुरू हुआ।

- वर्ष 1921–22 के दौरान इस आंदोलन में तेजी आई। हजारों छात्रों ने सरकारी नियंत्रण वाले स्कूल और कॉलेज छोड़ दिये। **अतः**
- **कथन (1) सही है।**

- मोतीलाल नेहरू, सी.आर. दास, सी. राजगोपालाचारी और आसफ अली जैसे कई वकीलों ने अपनी वकालत छोड़ दी। ब्रिटिश उपाधियाँ त्याग दी गई और विधायिकाओं का बहिष्कार किया गया। **अतः कथन (R) सही है।**

अतः विकल्प (b) सही है।

68. **(d)**

व्याख्याः स्वराज पार्टी कार्यकर्त्ताओं का एक समूह था जिसने 1934 में संविधान सभा की अवधारणा को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के हिस्से के रूप में भारत को पूर्ण स्व–शासन प्रदान करने की एक तरीके के रूप में प्रस्तुत किया था।

- वर्ष 1936 में कॉन्ग्रेस पार्टी ने अपने वर्ष 1935 के अधिवेशन में स्वराज पार्टी द्वारा प्रस्तावित विचार का समर्थन किया।
- मुस्लिम लीग का लक्ष्य हिंदू और मुसलमानों के लिये अलग–अलग राष्ट्र बनाने की अवधारणा पर था, न कि संविधान सभा के गठन पर।
- सर्वदलीय सम्मेलन संविधान सभा के विचार पर दो वर्ष की चर्चा के बाद ही अंततः वर्ष 1946 में इसका समर्थन किया गया।

अतः विकल्प (d) सही है।

69. **(a)**

व्याख्याः सुभाष चंद्र बोस ने रामगढ़ में एक समझौता विरोधी सम्मेलन बुलाया जो फॉरवर्ड ब्लॉक और किसान सभा का संयुक्त प्रयास था। इस सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि 6 अप्रैल को एक विश्वव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसमें लोगों से आह्वान किया जाएगा कि वे साम्राज्यवादी युद्ध में किसी भी प्रकार के संसाधन जैसे पुरुष, धन या सामग्री से मदद न करें।

- बोस हिटलर से छद्म नाम ऑरलैंडो माजाटो के रूप में मिले थे। हिटलर की सहायता से श्स्वतंत्रता सेनाश (मुक्ति सेना) का गठन किया गया जिसमें जर्मनी और इटली द्वारा पकड़े गए भारतीय मूलके सभी युद्धबंदियों को शामिल किया गया।
- बोस को इटली के लोग नहीं बल्कि जर्मनी के लोग 'नेताजी' कहने लगे।
- बोस ने जर्मनी के फ्री इंडिया सेंटर से प्रसिद्ध नारा 'जय हिंद' दिया।

अतः विकल्प (a) सही है।

70. **(b)**

व्याख्याः

समाचार पत्र/पत्रिका	**संस्थापक संपादक**
हिंदू देशभक्त	गिरीशचंद्र घोष
बंगदर्शन	बंकिम चंद्र चटर्जी
भारतीय समाजशास्त्री	श्यामजी कृष्णवर्मा
परिदसक	बिपिन चंद्रा
रस्त गोफ्तार	दादाभाई नौरोजी
संवाद कौमुदी	राजा राम मोहन राय
बंगाल गजट (1780)	जेम्स ऑगस्टस हिकी
भारत राजपत्र	हेनरी लुई विवियन डेरोजियो

अतः विकल्प (b) सही है।

71. **(a)**

व्याख्याः हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) की स्थापना वर्ष 1928 में नई दिल्ली के फिरोज शाह कोटला में चंद्र शेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी द्वारा की गई थी।

- HSRA ने सामूहिक नेतृत्व के तहत काम करने का फैसला किया और समाजवाद को अपने आधिकारिक लक्ष्य के रूप में अपनाया। अजय घोष भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के एक प्रमुख नेता थे।
- बिहार के क्रांतिकारी फणींद्रनाथ घोष सितंबर 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी की बैठक में शामिल हुए।

अतः विकल्प (a) सही है।

72. **(c)**

व्याख्याः मई 1939 में सुभाष चंद्र बोस और उनके अनुयायियों ने कॉन्ग्रेसव के भीतर एक नई पार्टी के रूप में फॉरवर्ड ब्लॉक का गठन किया। **अतः कथन (1) सही है।**

- बोस ने AICC के प्रस्ताव के खिलाफ अखिल भारतीय विरोध की घोषणा की, जिसके तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई, अर्थात् फॉरवर्ड ब्लॉक बनाने के उनके कदम के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई थी, न ही उन्हें पार्टी से भी नहीं निकाला गया था।
- उन्हें बंगाल प्रांतीय कॉन्ग्रेस कमेटी से हटा दिया गया और 3 वर्ष के लिये कॉन्ग्रेस में कोई भी पद संभालने से रोक दिया गया।

अतः कथन 2 सही है।

अतः विकल्प (c) सही है।

73. (b)

व्याख्याः ब्रिटिश अधीन भारत में वर्ष 1937 के प्रांतीय चुनाव का आयोजन भारत सरकार अधिनियम 1935 के आदेशनुसार किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत वर्ष 1936–37 में चुनाव हुए जिसके फलस्वरूप AA में से आठ प्रांतों में कॉन्ग्रेस मंत्रिमंडलों का गठन हुआ।
- चुनाव वाले 11 प्रांत–मद्रास, संयुक्त प्रांत, मध्य प्रांत, बिहार, उड़ीसा, असम, NWFP, बंगाल, पंजाब, बॉम्बे और सिंध थे। ये चुनाव सीमित मताधिकार के तहत हुए थे। **अतः कथन 2 सही है।**
- कॉन्ग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र के माध्यम से भारत सरकार अधिनियम, 1935 की पूर्ण अस्वीकृति की पुष्टि की। **अतः कथन 3 गलत है।**

अतः विकल्प (b) सही है।

74. (c)

व्याख्याः वर्ष 1918 की मोंटेग्यू रिपोर्ट के कारण कॉन्ग्रेस में विभाजन हुआ। नरमपंथियों ने इसका स्वागत किया जबकि गरमपंथियों ने इसे लेकर विरोध व्यक्त किया।

- कॉन्ग्रेस में फूट पड़ने के फलस्वरुप उदारवादी नेताओं ने वर्ष 1919 में 'इंडियन नेशनल लिबरल फेडरेशन' का गठन किया। इसकी स्थापना सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने की थी, इसके कुछ प्रमुख नेता तेज बहादुर सप्रू, वी.एस. श्रीनिवास शास्त्री और एम. आर. जयकर थे।

अतः विकल्प (c) सही है।

75. (b)

व्याख्याः रमाबाई रानाडे ने वर्ष 1904 में बम्बई में राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन के अंतर्गत लेडीज सोशल कॉन्फ्रेंस (भारत महिला परिषद) की स्थापना की।

- सरला देवी चौधुरानी ने वर्ष 1910 में भारत स्त्री महामंडल की पहली बैठक बुलाई। इसे किसी महिला द्वारा स्थापित पहला भारतीय महिला संगठन माना जाता था।
- पंडिता रमाबाई सरस्वती ने महिलाओं के कल्याण के लिये आर्य महिला समाज की स्थापना की।
- कॉर्नेलिया सरबजी राष्ट्रीय महिला परिषद (1925) की कार्यकारी समिति में एक महत्त्वपूर्ण पद धारण करने वाली भारत की पहली महिला बैरिस्टर थीं।

अतः विकल्प (b) सही है।

76. (a)

व्याख्याः गोपाल बाबा वालंगकर (जिन्हें गोपाल कृष्ण के नाम से भी जाना जाता है) को निम्न जातियों के जागरण के आंदोलन में अग्रणी माना जाता था। उन्होंने रायगढ़ जिले में जातिगत भेदभाव के उन्मूलन की दिशा में कार्य किया। 'वाइटल विधवंसक' (ब्राह्मणवादी व्यवस्था को नष्ट करने वाला) नामक मासिक पत्रिका की शुरुआत करने वाले वे पहले दलित थे।

- बी.आर. अंबेडकर ने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव के विरोध में वर्ष 1920 में पाक्षिक समाचार पत्र 'मूकनायक' की शुरुआत की। उन्होंने दलित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिये वर्ष 1927 में 'बहिष्कृत भारत' की भी शुरुआत की।
- ई.वी. रामास्वामी नायकर ने 1920 के दशक में ब्राह्मणों के विरोध में स्वाभिमान आंदोलन का नेतृत्त्व किया।
- बालशास्त्री जाम्भेकर को बम्बई में पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक सुधार का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने ब्राह्मणवादी रूढ़िवादिता पर प्रहार किया तथा लोकप्रिय हिंदू धर्म में वाछित सुधार करने का प्रयास किया। उन्होंने वर्ष 1832 में 'दर्पण' समाचार पत्र शुरू किया। उन्हें मराठी पत्रकारिता के जनक के रूप में भी जाना जाता था।

अतः विकल्प (a) सही है।

77. (a)

व्याख्याः एक संभ्रांत मुस्लिम परिवार में जन्मे सैयद अहमद खान ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा में एक निष्ठावान सदस्य थे। वर्ष 1876 में सेवानिवृत्ति के बाद वर्ष 1878 में वे इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य बने। उनकी निष्ठा को देखते हुए अंग्रेजों ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया। **अतः कथन 1 सही है।**

- उन्होंने पर्दा और बहुविवाह प्रथा का विरोध किया, तलाक की प्रक्रिया को सरल बनाने की वकालत की तथा पीरी और मुरीदी की व्यवस्था की निंदा करते हुए बेहतर शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिये संघर्ष किया। उन्हें धर्मों की मूलभूत अंतर्निहित एकता अथवा 'व्यावहारिक नैतिकता' में पूरा विश्वास था। उन्होंने हिंदू एवं मुस्लिम समुदायों के उद्देश्यों में निहित बुनियादी समानता का भी प्रचार किया। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (a) सही है।

78. (a)

व्याख्याः मुस्लिम समुदाय के लिये धार्मिक नेताओं को संगठित करने एवं उनकी संख्या में वृद्धि करने के उद्देश्य से मुहम्मद कासिम नानोतवी (1832–80) और रशीद अहमद गंगोही (1828–1905) ने वर्ष 1866 में सहारनपुर जिले (संयुक्त प्रांत) के दारुल उलूम में देवबंद आंदोलन की शुरुआत की। **अतः कथन (1) सही है।**

- सैयद अहमद खान के अलीगढ़ आंदोलन के विपरीत, देवबंद आंदोलन मुस्लिम समुदाय के नैतिक और धार्मिक कायाकल्प की मांग पर केंद्रित था, देवबंद आंदोलन में पश्चिमी शिक्षा और ब्रिटिश सरकार के प्रायोजन के माध्यम से मुसलमानों की भलाई को केंद्र में रखा गया।
- सैयद अहमद खान के संगठनों, यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन और मोहम्मडन एंग्लो–ओरिएंटल एसोसिएशन के विरुद्ध, देवबंद पंथ ने वर्ष 1888 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस की स्थापना का समर्थन करते हुए एक फतवा (धार्मिक फरमान) जारी किया। अतः कथन 2 सही है।

अतः विकल्प (a) सही है।

79. **(b)**

व्याख्याः चित्रकला के क्षेत्र में में, अवनींद्रनाथ टैगोर ने अजंता, मुगल और राजपूत चित्रकला से प्रेरणा लेते हुए और अपनी रचनाओं में उन्हें स्थान देते हुए भारतीय कला क्षेत्र पर विक्टोरियन प्रकृतिवाद के वर्चस्व को समाप्त किया।

- भारतीय कला पर एक अमिट छाप छोड़ने वाले नंदलाल बोस वर्ष 1907 में स्थापित इंडियन सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल आर्ट द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति के पहले प्राप्तकर्ता थे।
- रवींद्रनाथ टैगोर, रजनीकांत सेन, द्विजेंद्रलाल रे, मुकुंद दास, सैयद अबू मोहम्मद और अन्य के लिखे गीतों ने अनेकानेक राष्ट्रवादियों को अभिप्रेरित किया। इस अवसर पर टैगोर द्वारा लिखे गए आमार सोनार बांग्ला ने बाद में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम को भी प्रेरित किया जिसे बांग्लादेश ने अपने राष्ट्रगान के रूप में अपनाया।
- तमिलनाडु में सुब्रमण्यम भारती ने सुदेश गीतम की रचना की।

अतः विकल्प (b) सही है।

80. **(b)**

व्याख्याः एटलस पर्वतमालाः

- यह पर्वतमाला मोरक्को, अल्जीरिया और ट्यूनीशिया तक उत्तर–पश्चिमी अफ्रीका में लगभग 2,500 किमी तक विस्तृत है। यह पर्वत श्रृंखला भूमध्यसागरीय और अटलांटिक तट रेखाओं को सहारा मरुस्थल से अलग करती है।
- इसकी सबसे ऊँची चोटी 'माउंट टूबकल' (लगभग 4165 मीटर) है। **अतः विकल्प (b) सही है।**
- अटलांटिक महासागर से आने वाली पछुआ पवनें इस क्षेत्र में आर्द्रता लाती हैं, लेकिन पर्वत तटीय घास के मैदानों और आर्द्रभूमियों एवं सहारा मरुस्थल के बीच मौसम अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं।
- यह वृष्टि छाया प्रभाव का कारण बनता है, जिससे पर्वतों से परे क्षेत्रों में अधिक वर्षा नहीं हो पाती है। शीत ऋतु के दौरान, एटलस पर्वत की सबसे ऊँची चोटियाँ अफ्रीका के उन कुछ हिस्सों में से हैं जहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

81. **(a)**

व्याख्याः लिम्पोपो नदीः

- यह वह नदी है जो मकर रेखा को दो बार पार करती है।

अतः विकल्प (a) सही है।

- लिम्पोपो नदी दक्षिण अफ्रीका के ऊँचे इलाकों में, जोहान्सबर्ग शहर के पास से उद्गमित होती है और पूर्व दिशा में हिंद महासागर की ओर प्रवाहित होती है।
- यह दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना के बीच सीमा बनाती है, जहाँ यह अंततः हिंद महासागर में मिल जाती है।
- यह नदी क्रूगर नेशनल पार्क और मापुंगुब्वे नेशनल पार्क सहित कई प्राकृतिक उद्यानों से घिरी हुई है।

82. **(c)**

व्याख्याः

जनजाति	**संबंधित क्षेत्र/देश**
मसाई	केन्या
हौसा	नाइजीरिया
माओरी	न्यूजीलैंड
बेडोइन	टरब
कोरोवै	पापुआ न्यू गिनी
सेंटलीज	अंडमान

अतः विकल्प (c) सही है।

83. **(d)**

व्याख्याः

मरुस्थल	महासागरीय ठंडी धारा
सहारा मरुसील	कैनरी धारा
नामीब मरुसील	बेंगुएला धारा
अटाकामा मरूसील	पेरू धारा
पैटागोनियन मरुसील	ठंडी धारा से संबद्ध नहीं। इसका निर्माण इसलिये हुआ क्योंकि यह एंडोज पर्वतमाला के वृष्टिछाया क्षेत्र में है।
मोजावे मरुसील	पश्चिमी कैलिफोर्नियाइ धारा
कालाहारी मरुसिल	बेंगुएला धारा

अतः विकल्प (d) सही है।

84. (c)

व्याख्याः भूमध्यसागरीय प्रकार की जलवायुः

- कोष्ण शीतोष्ण पश्चिमी सीमांत प्रकार को भूमध्यसागरीय प्रकार की जलवायु के रूप में भी जाना जाता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- भूमध्यसागरीय जलवायु दक्षिणी और दक्षिण–पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाँ मध्य चिली, तटीय कैलिफोर्निया, दक्षिण अफ्रीका के पश्चिमी केप और भूमध्यसागरीय बेसिन के आसपास होती है।
- भूमध्यसागरीय जलवायु भूमध्य रेखा के 30° उत्तर से 45° दक्षिण के बीच पाई जाती है।
- इस प्रकार की जलवायु में शुष्क और उष्ण ग्रीष्मकाल तथा मृदु वर्षायुक्त शीतकाल होता है।
- सर्दियों में वर्षा की सघनता तटवर्ती पछुआ पवनों के कारण होती है।
- बागवानी भूमध्यसागरीय भूमि में की जाने वाली कृषि है। यहाँ संतरे, नींबू और अंगूर जैसे कई खट्टे फल उगाए जाते हैं।

85. (c)

व्याख्याः

स्थानीय पवन	प्रकृति	स्थान/क्षेत्र
चिनूक (बर्फ खाने वाले)	गर्म, शुष्क हवा	रॉकी पर्वत
सिराको	गर्म, शुष्क हवा	सहारा से भूमध्य सागर तक
फॉन	गर्म, शुष्क हवा	आल्पस
खमसिन	गर्म, शुष्क हवा	मिस्र
हरमट्टन (गिनी डॉक्टर)	गर्म, शुष्क हवा	पश्चिम अफ्रीका
बिलिजार्ड	ठंडी हवा	टुंड्रा क्षेत्र
मिस्ट्रल	ठंडी हवा	आल्प्स और फ्राँस
बेरा	ठंडी, शुष्क हवा	हंगरी से उत्तरी इटली तक प्रवाहित पवन
नॉर्वेस्टर	गर्म हवा	न्यूजीलैंड

अतः विकल्प (c) सही है।

86. (b)

व्याख्याः जोहोर जलडमरूमध्य सिंगापुर के उत्तर में, मुख्य भूमि प्रायद्वीप मलेशिया और सिंगापुर के बीच स्थित है।

अतः विकल्प (b) सही है।

- वर्ष 1927 के प्रादेशिक जल समझौते ने जोहोर जलडमरूमध्य में एक काल्पनिक रेखा को अंतर्राष्ट्रीय सीमा के रूप में निर्दिष्ट किया
- वर्ष 1994 में, भविष्य के सीमा विवादों को सुलझाने में मदद के लिये एक नई सीमा रेखा तैयार की गई थी।
- 50 किलोमीटर लंबी जोहोर जलडमरूमध्य मलय प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर सिंगापुर और जोहोर के बीच स्थित है।
- कॉजवे और सेकेंड लिंक दो पुल हैं जो जोहोर जलडमरूमध्य को पार करते हुए मलेशिया और सिंगापुर को सड़क और रेल मार्ग से जोड़ते हैं।

87(d)

शीतोष्ण घास स्थल	देश/क्षेत्र	शीतोष्ण घास स्थल	देश/क्षेत्र
प्रेयरी	उत्तरी अमेरिका	डाउंस	ऑस्ट्रेलियाँ
पंपास	अर्जेंटिना	पुस्ताज	हंगरी

अतः विकल्प (d) सही है।

88. (b)

व्याख्याः जिब्राल्टर की खाड़ीः

- जिब्राल्टर जलडमरूमध्य भूमध्य सागर को अटलांटिक महासागर से जोड़ता है और दक्षिणी स्पेन को उत्तरी अफ्रीका से अलग करता है।
- चौनल 58 किमी. लंबा है और प्वाइंट मार्राक्वी (स्पेन) और प्वाइंट सिरेस (मोरक्को) के बीच 13 किमी. चौड़ा है।

अतः विकल्प (b) सही है।

- घाटों और जहाजों को जलडमरूमध्य के पार यात्रा करते और दो महाद्वीपों के बीच से गुजरते हुए देखा जा सकता है।

89. (a)

व्याख्याः गोदावरी नदीः

- गोदावरी नदी महाराष्ट्र में नासिक के पास यंबकेश्वर से निकलती है और बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले लगभग 1465 किलोमीटर की दूरी तय करती है।
- गोदावरी सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी प्रणाली है। इसे दक्षिण गंगा भी कहते हैं।
- इसका बेसिन उत्तर में सतमाला पहाड़ियों, दक्षिण में अजंता श्रेणी और महादेव पहाड़ियों, पूर्व में पूर्वी घाट और पश्चिम में पश्चिमी घाट से घिरा हुआ है।
- प्रवरा, पूर्णा, मंजरा, पेनगंगा, वर्धा, वैनगंगा, प्राणहिता (वेनगंगा, पेनगंगा, वर्धा का संयुक्त प्रवाह), इंद्रावती, मनेर और सबरी इसकी
- सहायक नदिया है।
- प्रवर, मंजरा और मनेर दाहिने तट की सहायक नदिया हैं।
- पूर्णा, प्राणहिता, इंद्रावती और सबरी महत्त्वपूर्ण बाएँ किनारे की सहायक नदिया हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

90. (c)

व्याख्याः यमुना नदीः

- यह उत्तर प्रदेश में गंगा के बाद दूसरी सबसे लंबी नदी है। यह गंगा की सबसे लंबी दाहिने किनारे की सहायक नदी है।

अतः कथन (1) सही है।

- यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बंदरपूँछ चोटी के पास यमुनोत्री ग्लेशियर से निकलती है।
- यह नदी त्रिवेणी संगम, प्रयागराज में गंगा नदी में विलीन हो जाती है जहाँ कुंभ मेला मनाया जाता है
- चम्बल, बेतवा, केन, टोंस और हिंडन इसकी प्रमुख सहायक नदिया हैं। **अतः कथन (2) सही है।**

अतः विकल्प (c) सही है।

91. (b)

व्याख्याः एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान में नीलाकुरिंजी (Neelakurinji) नामक विशेष फूल बहुतायत में पाए जाते हैं जो प्रत्येक 12 वर्ष में एक बार खिलते हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।

एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यानः

- यह केरल के इडुक्की जिले के देवीकुलम तालुका में दक्षिणी पश्चिमी घाटों के हाई रेंज (dUuu nsou fgYl & Kannan Devan Hills) में अवस्थित है।
- यह 97 वर्ग किमी.. क्षेत्र में फैला हुआ है और अपने दक्षिणी क्षेत्र में दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी अनाईमुडी (2695 मीटर) से संबद्ध है।
- इस उद्यान का राजामलाई (Rajamalai) क्षेत्र पर्यटन के लिये प्रसिद्ध है।
- केरल सरकार ने कन्नन देवन हिल प्रोड्यूस (भूमि की बहाली) अधिनियम, 1971 के तहत 'कन्नन देवन हिल्स प्रोड्यूस कंपनी' से इस क्षेत्र का अधिग्रहण किया था।
- इसे 1975 में एराविकुलम–राजमाला वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था और 1978 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था।
- इसे वर्ष 1975 में 'एराविकुलम राजमाला वन्यजीव अभयारण्य' (Eravikulam Rajamala Wildlife Sanctuary) के रूप में घोषित किया गया था और वर्ष 1978 में एक राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था।

92. (c)

व्याख्याः असम विश्व के सबसे बड़े नदी द्वीप "माजुली" और विश्व के सबसे छोटे बसे हुए नदी द्वीप "उमानंद" के लिये प्रसिद्ध है।

- माजुली भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित एक नदी द्वीप है। इसे दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- 352 वर्ग किलोमीटर (136 वर्ग मील) के कुल क्षेत्रफल के साथ "माजुली" विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- यह असम में ब्रह्मपुत्र नदी में एक द्वीप है और वर्ष 2016 में यह भारत में जिला बनने वाला पहला द्वीप बन गया
- यह द्वीप दक्षिण में ब्रह्मपुत्र नदी और उत्तर में सुबनसिरी नदी से जुड़कर ब्रह्मपुत्र की एक उपशाखा खेरकुटिया जूटी द्वारा निर्मित है।

93 (b)

व्याख्याः

दर्रा	राज्य
जलेप ला दर्रा	सिक्किम
नीति दर्रा	उत्तराखंड
बोमडिला दर्रा	अरुणाचल प्रदेश
माणा दर्रा	उत्तराखंड

अतः विकल्प (इ) सही है।

94. (d)

व्याख्याः श्यामा प्रसाद मुखर्जी टनलः

- चेनानी–नाशरी टनल का नाम बदलकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग कर दिया गया
- यह न केवल भारत की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग (9 किमी.. लंबी) है अपितु एशिया की सबसे लंबी द्वि–दिशात्मक (दो विपरीत दिशाओं वाली) राजमार्ग सुरंग भी है।

अतः विकल्प (d) सही है।

- यह जम्मू एवं कश्मीर में उधमपुर तथा रामबन के मध्य निम्न हिमालय पर्वत शृंखला में स्थित है।

बनिहाल काजीगुंड टनलः

- यह 8.5 किमी. लंबी सड़क सुरंग है जो केंद्रशासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ती है। यह पीर पंजाल रेंज में 1,790 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
- जवाहर टनलः इसे बनिहाल सुरंग अथवा बनिहाल दर्रा भी कहा जाता है। सुरंग की लंबाई 2.85 किमी.. है।
- यह बनिहाल और काजीगुंड के बीच NH 1A पर स्थित है जिसका नाम बदलकर NH 44 कर दिया गया है।
- यह सुरंग श्रीनगर और जम्मू के बीच वर्ष भर सड़क की पहुँच को सुगम बनाती है।

नंदनी टनलः

- ये सुरंगें उधमपुर जिले में जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंदनी वन्यजीव अभयारण्य के नीचे निर्मित चार राजमार्ग सुरंगों की श्रृंखला है।
- इस चारों सुरंगों की कुल लंबाई 1.4 किलोमीटर है जिन्होंने जम्मू और श्रीनगर के बीच की दूरी और यात्रा के समय को कम कर दिया है।

95. (d)

व्याख्याः उत्तर प्रदेश में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज–

खनिज	स्थान
कोयला	सिंगरौली कोयला क्षेत्र, सोनभद्र
डायस्पोर और पाइरोफिलाइट	हमीरपुर, झाँसी, ललितपुर और महोबा
सिलिका रेत	नैनी (प्रयागराज)
ग्लास सैंड खनिज	शंकरगढ़, लोहागढ़, बरगढ़
एंडालुसाइट और कैल्साइट	मिरजापुर
बॉक्साइट	बांदा, वाराणसी, ललितपुर
चीनी मिट्टी और डोलोमाइट	बांदा, सोनभद्र
गेरू	बंदा
ग्रेनाइट	बांदा, हमीरपुर, ललितपुर और महोबा

फेल्डस्पार	झाँसी
फायरक्ले, चूना पत्थर, पोटाश और सिलिमेनाइट	सोनभद्र
लौह अयस्क (हेमेटाइट) और रॉक फॉस्फेट	ललितपुर

अतः विकल्प (d) सही है।

96. (a)
व्याख्या:

ज्वालामुखीय पर्वत	**अवस्थिति**
माउंट किनाबालु	मलेशिया
एल्बुर्ज	ईरान
एकांकागुआ	अर्जेंटीना
किलिमंजारो	तंजानिया
माउंट मीकन	जपान
रुआपेहू पर्वत	न्यूजीलैंड
माउंट सेमेरू	इंडोनेशिया

अतः विकल्प (a) सही है।

97. (c)
व्याख्या:

कोयला क्षेत्र	राज्य
झिलमिली	छत्तीसगढ़
करणपुरा	झारखंड
रामपुर हिमगीर	ओडिशा
सोहागपुर	मध्य प्रदेश
रंगित घाटी	सिक्किम
तंदूर	तेलंगाना
वरोरा	महाराष्ट्र
लालमटिया	झारखंड

अतः विकल्प (c) सही है।

98. (c)
व्याख्याः लक्षद्वीपः

- भारत का सबसे छोटा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप 32 वर्ग किमी. में विस्तृत एक द्वीपसमूह है जिसमें 36 द्वीप हैं।
- इन द्वीपों के तीन मुख्य समूह हैं:
- अमिनदीवी द्वीप समूह
- लैकाडिव द्वीप समूह
- मिनिकॉय द्वीप
- अमिनदीवी द्वीप सबसे उत्तरी है जबकि पिनिकॉय द्वीप सबसे दक्षिणी है। **अतः कथन (2) सही है।**
- इसमें सभी द्वीप प्रवाल (एटोल) से बने हुए हैं और तटीय प्रवालों से घिरे हुए हैं। **अतः कथन (1) सही है।**
- इसकी राजधानी कवारत्ती है, और यह यहाँ का प्रमुख शहर भी है।
- निर्जन पिट्टी द्वीप में एक पक्षी अभयारण्य है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

99. (d)
व्याख्याः भारतीय मरुस्थलः

- यह क्षेत्र अरावली श्रेणी के पश्चिमी छोर पर स्थित है। यह रेतीले टीलों से ढका एक असमतल रेतीला मैदान है।
- यहाँ प्रतिवर्ष 150 मिमी. से बहुत कम वर्षा होती है। यहाँ की जलवायु शुष्क है और यहाँ वनावरण भी कम है। बरसात के मौसम में कुछ जलधाराएँ देखने को मिलती हैं।
- लूनी इस क्षेत्र की एकमात्र लंबी नदी है।

- बरखान अर्द्धचंद्राकार रेतीले टीले हैं। इसमें राजस्थान के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रों के बड़े क्षेत्र शामिल हैं, विशेष रूप से भारत–पाकिस्तान सीमा के पास स्पष्ट अनुदैर्ध्य टीले।
- जैसलमेर तथा बीकानेर क्षेत्रों में बरखानों का एक समूह है।

अतः विकल्प (d) सही है।

100. **(d)**

व्याख्याः सोन नदीः

- यह एक बारहमासी नदी है जो मध्य भारत से होकर बहती है। यह यमुना नदी के बाद गंगा नदी की दूसरी सबसे बड़ी दक्षिणी (दायाँ किनारा) सहायक नदी है।
- यह छत्तीसगढ़ के गौरेला–पेंड्रा मरवाही जिले में अमरकंटक पहाड़ी के पास से निकलती है और बिहार में पटना के पास गंगा नदी में जा मिलती है।
- यह अमरकंटक पठार के किनारे पर झरनों का निर्माण करती है।
- यह चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर बहती है। **अतः विकल्प (d) सही है।**
- इसकी सहायक नदियाँ घाघरा, जोहिला, छोटी महानदी, बनास, गोपद, रिहंद, कन्हर और उत्तरी कोयल नदी हैं।

101. **(a)**

व्याख्याः

झील	राज्य
वेम्बनाड	केरल
चिल्का	ओडिशा
शिवसागर	महाराष्ट्र
इंदिरा सागर	मध्य प्रदेश
पैंगोंग	लद्दाख
पुलिकट	आंध्र प्रदेश
सरदार सरोवर	गुजरात
नागार्जुन सागर	तेलंगाना
लोकटक	मणिपुर
वूलर	जम्मू और कश्मीर

अतः विकल्प (a) सही है।

102. **(c)**

व्याख्याः गंगा की मुख्य धारा **'भागीरथी'** गंगोत्री हिमानी से निकलती है तथा अलकनंदा उत्तराखण्ड के देवप्रयाग में इससे मिलती है।

- हरिद्वार के पास गंगा पर्वतीय भाग को छोड़कर मैदानी भाग में प्रवेश करती है।
- यह बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र से मिलती है और पद्मा नाम से जानी जाती है।
- इसकी बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ गोमती, घाघरा, गंडक और कोसी हैं।
- इसकी दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ यमुना, सोन, पुनपुन और दामोदर हैं। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- यमुना, गंगा नदी की सबसे बड़ी सहायक नदी है, जो हिमालय में यमुनोत्री हिमानी से निकलती है। यह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा से मिलती है।

103. **(d)**

व्याख्याः प्रशांत महासागर की महासागरीय धाराः

- **कुरोशियो धाराः** यह ताइवान से बेरिंग जलडमरूमध्य तक चलने वाली गर्म धारा है। इसे जापान धारा या काली धारा के नाम से भी जाना जाता है।

अतः विकल्प (d) सही है।

- **ओयाशियो धाराः** यह एक शीत धारा है जिसे कुरील धारा भी कहा जाता है। यह बेरिंग जलडमरूमध्य से होकर दक्षिण की ओर बहती है और इस प्रकार आर्कटिक सागर से शीत जल को प्रशांत महासागर में ले जाती है। यह पोषक तत्त्वों से भरपूर धारा है।
- **हम्बोल्ट या पेरुवियन धाराः** यह एक शीत धारा है जो दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ चिली के दक्षिणी सिरे से उत्तरी पेरू की ओर बहती है। इस कम लवणता वाले धारा में एक बड़ा समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र स्थित है और यह दुनिया की प्रमुख पोषक प्रणालियों में से एक के रूप में कार्य करता है।
- **कैलिफोर्निया धाराः** यह अटलांटिक महासागर की कनारी धारा के समान शीत धारा है। यह उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ दक्षिण की ओर बहने वाली एलुशियन धारा का विस्तार है।

104. (d)

व्याख्या:

जल विद्युत परियोजना (HEP)	राज्य
डोयांग HEP	नागालैंड
कामेंग HEP	अरुणाचल प्रदेश
कोपिली HEP	टसम
कोटेश्वर HEP	उत्तराखंड
टिहरी HEP	उत्तराखंड
तुइरियल HEP	थ्मजोरम
पारे HEP	अरुणाचल प्रदेश
कोलडैम HEP	हिमाचल प्रदेश

अतः विकल्प (d) सही है।

105. (c)

व्याख्याः

पर्वतीय दरें	राज्य/केंद्रशासित प्रदेश
नाथू ला, जेलेप ला	सिक्किम
भोरघाट, थालघाट	महाराष्ट्र
सेला, बोमडिला, दीफू	अरुणाचल प्रदेश
रोहतांग, शिपकी ला	हिमाचल प्रदेश
पाल घाट	केरल
बनिहाल	जम्मू और कश्मीर
जोजिला, चांग ला	लद्दाख

अतः विकल्प (c) सही है।

106. (d)

व्याख्याः अंतर उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ):

- विषुवत वृत्त पर स्थित अंतः उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र एक निम्न वायुदाब वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में व्यापारिक पवनें मिलती हैं। अतः इस क्षेत्र में वायु ऊपर उठने लगती है। **अतः कथन (1) सही नहीं है।**
- जुलाई के महीने में ITCZ 20° से 25° उत्तरीय अक्षांशों के आस–पास गंगा के मैदान में स्थित हो जाता है। इसे कभी–कभी मानसूनी गर्त भी कहते हैं। यह मानसूनी गर्त, उत्तर और उत्तर–पश्चिमी भारत पर तापीय निम्न वायुदाब के विकास को प्रोत्साहित करता है। **अतः कथन (2) सही नहीं है।**
- ITCZ में बदलाव के कारण दक्षिणी गोलार्द्ध की व्यापारिक पवनें 40° और 60° पूर्वी देशांतरों के बीच विषुवत वृत्त को पार कर जाती हैं। कोरियोलिस बल के प्रभाव से विषुवत वृत्त को पार करने वाली इन व्यापारिक पवनों की दिशा दक्षिण–पश्चिम से उत्तर–पूर्व की ओर हो जाती है। यही दक्षिण–पश्चिम मानसून है।
- शीत ऋतु में ITCZ दक्षिण की ओर खिसक जाता है। इसी के अनुसार पवनों की दिशा दक्षिण–पश्चिम से बदलकर उत्तर–पूर्व हो जाती है, यही उत्तर–पूर्व मानसून है।

अतः विकल्प (d) सही है।

107. (b)

व्याख्याः गर्म मौसम के स्थानीय तूफानः

- आम्र वर्षाः ग्रीष्म ऋतु के खत्म होते–होते पूर्व मानसून बौछारें पड़ती हैं, जो केरल व तटीय कर्नाटक में यह एक आम बात है। स्थानीय तौर पर इस तूफानी वर्षा को आम्र वर्षा कहा जाता है, क्योंकि यह आमों को जल्दी पकने में सहायता देती है।
- फूलों वाली बौछारः इस वर्षा से केरल व निकटवर्ती कहवा उत्पादक क्षेत्रों में कहवा के फूल खिलने लगते हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।

- काल बैसाखीः असम और पश्चिम बंगाल में बैसाख के महीने में शाम को चलने वाली ये भयंकर व विनाशकारी वर्षायुक्त पवनें हैं। इनकी कुख्यात प्रकृति का अंदाजा इनके स्थानीय नाम काल बैसाखी से लगाया जा सकता है। जिसका अर्थ है– बैसाख के महीने में आने वाली तबाही।
- चाय, पटसन व चावल के लिये ये पवनें अच्छी हैं। असम में इन तूफानों को 'बारदोली छीड़ा' कहा जाता है।
- लूरू उत्तरी मैदान में पंजाब से बिहार तक चलने वाली ये शुष्क, गर्म व पीड़ादायक पवनें हैं। दिल्ली और पटना के बीच इनकी तीव्रता अधिक होती है।

108. (a)

व्याख्याः कोच्चि (कोचीन) बंदरगाहः यह वेम्बनाड कयाल के शीर्ष पर स्थित 'अरब सागर की रानी' के रूप में लोकप्रिय है, यह एक प्राकृतिक बंदरगाह भी है।

अतः विकल्प (a) सही है।

- स्वेज–कोलंबो मार्ग के नजदीक होने के कारण इस बंदरगाह का स्थान लाभकारी है। यह केरल, दक्षिणी कर्नाटक और दक्षिण पश्चिमी तमिलनाडु की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

109. (c)

व्याख्याः पुगा घाटीः

- पूगा घाटी साल्ट लेक घाटी से लगभग 22 किलोमीटर दूर लद्दाख के दक्षिण–पूर्वी भाग में चांगथांग घाटी में स्थित है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और भू–तापीय गतिविधियों के लिये जाना जाता है। पूगा घाटी अपने सल्फर युक्त ऊष्मण झरने हॉट सल्फर स्प्रिंग्स (Hot Sulphur Springs) के लिये भी जानी जाती है।
- भू–तापीय उर्जा परियोजनाः
- यह भारत की पहली भू–तापीय ऊर्जा परियोजना है जो 14,000 फीट की ऊँचाई पर दुनिया की सबसे ऊँची परियोजना भी होगी। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ONGC) इस भूतापीय ऊर्जा संयंत्र का निर्माण कर रहा है।

110. (b)

व्याख्याः भारत में जनसंख्या की वृद्धिः

- जनसंख्या वृद्धि दो समय बिदुओं के बीच किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन को कहते हैं। इस अवधि में वृद्धि की चार सुस्पष्ट प्रावस्थाओं को पहचाना गया है:

प्रावस्था 1 (1901–1921)	इस अवधि को भारत की जनसंख्या की वृद्धि की रूद्ध अथवा स्थिर प्रावस्था कहा जाता है। इस दौरान जन्म दर और मृत्यु दर दोनों ऊँचे थे।
प्रावस्था 2 (1921–1951)	इसे जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि के रूप में जाना जाता है। इस अवधि में अशोधित जन्म दर अधिक थी जिससे विगत प्रावस्था की तुलना में वृद्धि दर उच्चतर हुई। **अतः विकल्प (b) सही है।**
प्रावस्था 3 (1951–1981)	इसे भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि के रूप में जाना जाता है जो देश में मृत्यु दर तीव्र ह्रास और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ।
प्रावस्था 4 (वर्ष 1981 के पश्चात् से वर्तमान तक)	भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर, यद्यपि ऊँची बनी रही, परंतु धीरे–धीरे मंद गति से घटने लगी।

- यह देश में विवाह के समय औसत आयु में वृद्धि जीवन की गुणवत्ता विशेष रूप से स्त्री शिक्षा में सुधार से प्रभावित हुई।

111. (b)

व्याख्याः जनगणना 2011 के अनुसार जनसंख्या घनत्वः

- इसे प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है। इससे भूमि के संदर्भ में जनसंख्या के स्थानिक वितरण को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलती है।
- भारत का जनसंख्या घनत्व 324 (जनगणना 2001) से बढ़कर 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया है।
- राज्यों में, बिहार में जनसंख्या घनत्व सबसे अधिक है जबकि अरुणाचल प्रदेश में सबसे कम है।
- कुछ राज्यों का जनसंख्या घनत्व निम्नलिखित है:

राज्य/केंद्रशासित प्रदेश	जनसंख्या घनत्व (व्यक्ति/वर्ग किमी.)
उत्तर प्रदेश	829
महाराष्ट्र	365
बिहार	1,106
पश्चिम बंगाल	1,028

आंध्र प्रदेश	308
दिल्ली	11,320
केरल	860
अरुणाचल प्रदेश	17

अतः विकल्प (b) सही है।

112. (b)

व्याख्याः आर्द्रताः

- वायु में मौजूद जलवाष्प को आर्द्रता कहते हैं। मात्रात्मक दृष्टि से इसे निम्न प्रकार से व्यक्त किया जाता है–
- **निरपेक्ष आर्द्रताः** यह वायुमंडल में मौजूद जलवाष्प की वास्तविक मात्रा है। यह वायु के प्रति इकाई आयतन में जलवाष्ण का भार है और इसे ग्राम प्रति घन मीटर के रूप में व्यक्त किया जाता है।
  अतः कथन (1) सही है।
- **सापेक्ष आर्द्रताः** यह किसी दिये गए तापमान पर अपनी पूरी क्षमता की तुलना में वातावरण में मौजूद नमी का प्रतिशत है। यह महासागरों के ऊपर अधिक तथा महाद्वीपों के ऊपर सबसे कम होती है। **अतः कथन (2) सही नहीं है।**
- किसी दिये गए तापमान पर अपनी पूरी क्षमता तक नमी युक्त वायु को संतृप्त कहा जाता है। वह तापमान जिस पर वायु के दिये गए नमूने में संतृप्ति होती है, ओसांक के रूप में जाना जाता है।

अतः विकल्प (b) सही है।

113. (c)

व्याख्याः कोपेन द्वारा जलवायु का वर्गीकरणः

स्मूह	प्रकार	कूट अक्षर	विशेषताएँ
A–उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु	उष्णकटिबंधीय आर्द्र उष्णकटिबंधीय मानसून उष्णकटिबंधीय आर्द्र एवं शुष्क	Af Am Aw	कोई शुष्क ऋतु नहीं मानसून, लघु शुष्क ऋतु जाड़े की शुष्क ऋतु
B–शुष्क जलवायु	उपोष्ण कटिबंधीय स्टैपी शुष्क कटिबंधीय शुष्क मध्य–अक्षांशीय स्टैपी मध्य–अक्षांशीय मरुस्थल	BSh BWh BSk BWk	निम्न अक्षांशीय अर्द्ध शुष्क एवं शुष्क निम्न अंक्षाशीय शुष्क मध्य अक्षांशीय अर्द्धद शुष्क एवं शुष्क मध्य अक्षांशीय शुष्क
C–कोष्ण शीतोष्ण (मध्य अक्षांशीय) जलवायु	आर्द्र उपोष्ण कटिबंधीय भूमध्य सागरीय समुद्री पश्चिम तटीय	Cfa Cs cfb	कोई शुष्क ऋतु नहीं, गर्म ग्रीष्मऋतु शुष्क गर्म ग्रीष्म कोई शुष्क ऋतु नहीं, कोष्ण तथा शीतल ग्रीष्म
D–शीतल हिम वन जलवायु	आर्द्र महाद्वीपीय उप–आर्कटिक	Df Dw	कोई शुष्क ऋतु नहीं, भीषण जाड़ा जाड़ा शुष्क एवं अत्यंत भीषण
E–शीत जलवायु	टुंड्रा ध्रुवीय हिम टोपी	ET EF	सही अर्थों में कोई ग्रीष्म नहीं सदैव हिमाच्छादित हिम
H–उच्चभूमि	उच्चभूमि	H	हिमाच्छादित उच्चभूमियाँ

अतः विकल्प (c) सही है।

114. (d)

व्याख्याः ग्रीनहाउस गैसें (GHGs):

- ये पृथ्वी के वायुमंडल में मौजूद प्राकृतिक रूप से पाई जाने वाली और मानव–जनित गैसों का एक समूह है। इन गैसों में ऊष्मा को अवशोषित करने और उत्सर्जित करने, वातावरण के भीतर तापीय ऊर्जा को फँसाने की अनूठी संपत्ति होती है।
- ये एक उष्मीय चादर के रूप में कार्य करती हैं, जो सूर्य के प्रकाश को वायुमंडल में प्रवेश करने की अनुमति देते हैं और अवशोषित ऊष्मा के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को वापस अंतरिक्ष में जाने से रोकते हैं।

- यह परिघटना, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव के रूप में जाना जाता है. पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करती है. जिससे यह जीवधारियों के लिये रहने योग्य बन जाती है।
- जीवाश्म ईंधन दहन, वनों की कटाई और औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसी मानवीय गतिविधियों ने इन गैसों की सांद्रता में काफी वृद्धि की है, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव बढ़ गया है और ग्लोबल वार्मिंग एवं उसके परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन हो रहा है।
- कुछ प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2), मीथेन (CH_1), नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) और जल वाष्प शामिल हैं।

अतः विकल्प (d) सही है।

115. (c)

व्याख्या: सेरीकल्चर रेशम के उत्पादन के लिये कीटों का प्रजनन और प्रबंधन है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- एपिकल्चर मधुमक्खियों और उनके छत्तों की कालोनियों को बढ़ाने या उनके रख–रखाव (मधुमक्खी पालन) का विज्ञान है।
- हॉर्टिकल्चर, पादप कृषि की वह शाखा है जो बागबानी फसलों, आम तौर पर फलों, सब्जियों और सजावटी पौधों से संबंधित है।
- फ्लोरीकल्चर या फूलों की खेती फूलों और पत्तेदार पौधों को उगाने एवं उनके विपणन का अध्ययन है।

116. (c)

व्याख्या:

नदी घाटी परियोजनाएँ	नदी	राज्य
भाखड़ा नांगल	स्तलुज	पंजाब
मण्डी परियोजना	ब्यास	हिमाचल प्रदेश
चंबल घाटी परियोजना (गांधी सागर बांध, राणा प्रताप सागर बांध और जवाहर सागर बांध)	चंबल	मध्य प्रदेश और राजस्थान
काकरापार परियोजना	तपी	गुजरात
निजामसागर परियोजना	मंजरा	त्लेंगाना
नागार्जुन सागर	कृष्णा	आंध्र प्रदेश
शिवसमुद्रम परियोजना	कावेरी	कर्नाटक
पोंग बांध	ब्यास	पंजाब
टेहरी बांध	भगीरथी	उत्तराखंड
फरक्का परियोजना	गंगा	पश्चिम बंगाल

अतः विकल्प (c) सही है।

117. (d)

व्याख्या: भारत का उत्तरी मैदानः

- वे एक बड़े समतल भूभाग हैं जो हिमालय के दक्षिण में और प्रायद्वीपीय भारत के उत्तर में स्थित हैं।
- **इसका निर्माण तीन प्रमुख नदी प्रणालियोंः** सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र तथा उनकी सहायक नदियों के साथ, के जलोढ़ निक्षेपों के कारण हुआ है।
- ये विश्व के सबसे बड़े जलोढ़ पथ हैं।
- सिंधु–गंगा क्षेत्र में गर्म ग्रीष्मकाल और ठंडे शीतकाल के साथ उपोष्णकटिबंधीय जलवायु होती है।

अतः कथन (1) सही है।

- भारत के उत्तरी मैदानों को जलोढ़ की प्रकृति और उच्चावचों की विशेषताओं के आधार पर चार भौगोलिक क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है।
- **भाबरः** यह हिमालय के गिरिपाद में मोटे बजरी और कंकड़ से युक्त एक संकीर्ण क्षेत्र है। यह लगभग 8 से 16 किमी. चौड़ा है और इसकी सतह छिद्रपूर्ण है जो जल को इसके माध्यम से निस्यंदित करती है। **अतः कथन (2) सही नहीं है।**
- तराईः यह भावर के दक्षिण में एक दलदली क्षेत्र है। यह लगभग 20 से 30 किमी. चौड़ा है एवं इसमें समृद्ध मृदा और सघन वनस्पति है। यहाँ कई वन्यजीव अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान भी है।
- **भांगरः** यह प्राचीन और उच्च जलोढ़ मैदान है जो नदियों के बाढ़ स्तर से ऊपर स्थित है। यह मिट्टी, गाद और रेत से बना है।

- इस क्षेत्र की मृदा में चूने का भंडार है, जिसे सीनीय भाषा में कंकर कहा जाता है।
- **खादरः** यह नवीन और निम्न क्षेत्र का जलोढ़ मैदान है जो नदी किनारे स्थित है यह महीने गाद और मिट्टी से बना है इसका रंग हल्का है। और यह बहुत उपजाऊ है। हर वर्ष बाढ़ से इसका नवीकरण होता है।

अतः विकल्प (d) सही है।

118. (c)

व्याख्याः लाल सागरः

- यह अफ्रीका और एशिया के बीच हिंद महासागर का प्रवेश द्वार है और विश्व के सबसे खारे जल निकायों में से एक है।
- सीमावर्ती देशः मिस्र, सऊदी अरब, यमन, सूडान, इरिट्रिया और जिबूती।

अतः विकल्प (c) सही है।

- यह बाब अल मांडेब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी के माध्यम से हिंद महासागर से जुड़ा हुआ है।
- उत्तर में सिनाई प्रायद्वीप, अकाबा की खाड़ी और स्वेज की खाड़ी (स्वेज नहर की ओर जाने वाली) हैं।
- यह महान भ्रंश घाटी (अफ्रो–अरेबियन रिफ्ट वैली) का एक हिस्सा है।

119. (d)

व्याख्याः आय के स्वतंत्र स्रोत वाली 18 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिये बैंक ऑफ इंडिया ने **'नारी शक्ति बचत खाता'** (NSSA) लॉन्च किया है।

अतः विकल्प (क) सही है।

- नारी शक्ति बचत खाता (NSSA) के तहत 100 लाख रुपए तक का व्यक्तिगत दुर्घटना कवर शामिल है।
- इसके तहत, खाताधारक रियायती स्वास्थ्य बीमा और कल्याण उत्पादों का भी लाभ उठा सकते हैं तथा सोने व हीरे की सुरक्षा के लिये लॉकर सुविधाओं पर छूट प्राप्त कर सकते हैं।
- प्रत्येक नारी शक्ति खाते के लिये बैंक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्त्व (CSR) कोष के लिये 10 रुपए का योगदान करेगा।
- यह कोष वंचित महिलाओं और बालिकाओं के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिये निर्दिष्ट किया है।

120. (c)

व्याख्याः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), मद्रास ने जल से आर्सेनिक और धातु आयनों को हटाने के लिये **'अमृत'** (भारतीय प्रौद्योगिकी द्वारा आर्सेनिक और धातु निष्कासन) नामक एक तकनीक विकसित की है।

अतः विकल्प (ब) सही है।

- आर्सेनिक अपने अजैविक रूप में अत्यधिक विषैला होता है। आर्सेनिक की लंबे समय तक विषाक्तता के कारण ब्लैकफुट रोग (ठथ्व्) हो सकता है।
- इस प्रौद्योगिकी में नैनो–स्केल आयरन ऑक्सी–हाइड्रॉक्साइड का उपयोग किया जाता है, यह जल से आर्सेनिक को चुनिंदा रूप से निष्काषित करता है। इसे घरेलू और सामुदायिक दोनों स्तरों पर जल शोधन के लिये विकसित किया गया है।
- यह तकनीक वर्ष 2019 में शुरू किये गए जल जीवन मिशन के व्यापक लक्ष्यों, जिसका उद्देश्य भारत में ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित एवं पीने योग्य नल का जल उपलब्ध कराना है, के अनुरूप है।

121. (c)

व्याख्याः उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राज्य में संचालित होटलों और रिसॉर्ट्स के स्टार वर्गीकरण को मंजूरी देने के लिये एक 'नई स्टार वर्गीकरण प्रणाली' शुरू की है।

अतः विकल्प (c) सही है।

- नवीन संशोधित वर्गीकरण प्रणाली में पाँच अलग–अलग श्रेणियाँ शामिल हैं– प्लैटिनम, डायमंड, गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉंज।
- इस प्रणाली का उद्देश्य राज्य में अधिक होटल कमरों की उपलब्धता प्रदान करना, बेहतर सुविधाओं के साथ आतिथ्य उद्योग में सुधार करना तथा होटल व रिसॉर्ट्स को सब्सिडी व प्रोत्साहन प्रदान करना है।
- इस वर्गीकरण की सहायता से होटलों को उनकी गुणवत्ता, सेवाओं और समग्र सुविधाओं व अतिथि अनुभव के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

122. (b)

व्याख्याः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 दिसंबर, 2023 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के चौबेपुर क्षेत्र के उमराहा में बने स्वरवेद मंदिर का उद्घाटन किया।

अतः विकल्प (b) सही है।

- इसका निर्माण विहंगम योग संस्थान के संस्थापक संत सदाफल महाराज ने करवाया है। इसका निर्माण कार्य वर्ष 2004 में शुरू किया गया था।
- इसमें मकराना संगमरमर का उपयोग किया गया है। यह सात मंजिला मंदिर है और विश्व का सबसे बड़ा ध्यान–साधना केंद्र भी है।

123. (d)

व्याख्याः जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI):

- यह वर्ष 2005 से प्रतिवर्ष जर्मनवॉच, न्यूक्लाइमेट इंस्टीट्यूट और क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित किया जाता है।
- यह एक स्वतंत्र अनुवीक्षण उपकरण है जो 63 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु संरक्षण निष्पादन को ट्रैक करता है।
- यह चार प्रमुख श्रेणियों के आधार पर देशों का मूल्यांकन करता है: ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन (40:), नवीकरणीय ऊर्जा (20:), ऊर्जा उपयोग (20:) और जलवायु नीति (20:)A
- जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2024 में भारत 7वें स्थान पर है, इस सूचकांक में किसी भी देश 1–3 रैंक हासिल नहीं किया है। डेनमार्क चौथे स्थान पर है।

अतः विकल्प (क) सही है।

124. (b)

व्याख्याः डैनियल बारंनबोइम तथा अली अबू अव्वाद को संयुक्त रूप से इजरायल फिलिस्तीन संघर्ष के अहिंसक समाधान हेतु इजरायल तथा अरब देशों के युवाओं व लोगों को एकजुट करने के उनके प्रयासों के लिये वर्ष 2023 के लिये शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिये इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया गया है।

अतः विकल्प (b) सही है।

- बारेनबोइम अर्जेंटीना में जन्मे प्रतिष्ठित शास्त्रीय पियानोवादक हैं तथा अव्वाद एक प्रतिष्ठित फिलिस्तीनी शांति कार्यकर्ता हैं जो मध्य–पूर्व में चल रहे संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान हेतु कार्यरत हैं।
- शांति, निरस्त्रीकरण और विकास हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कारः
- भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सम्मान में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा वर्ष 1986 से प्रत्येक वर्ष शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिये इंदिरा गांधी पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिये व्यक्तियों अथवा संगठनों को मान्यता प्रदान करता है।
- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है तथा इसे शांति और विकास के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मानों में से एक माना जाता है। ' इसमें एक प्रशस्ति पत्र के साथ 25 लाख रुपए का मौद्रिक पुरस्कार शामिल है।

125. (d)

व्याख्याः दिसंबर 2023 में वस्त्र मंत्रालय ने जूट संगोष्ठी के दौरान जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (JCI) द्वारा विकसित एक मोबाइल एप्लिकेशन **"पाट–मित्रो"** लॉन्च किया।

अतः विकल्प (d) सही है।

पाट–मित्रोः

- यह एप्लिकेशन 6 भाषाओं में उपलब्ध है और उपयोगकर्ताओं के लिये एप्लिकेशन की सभी कार्यविधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गयीं हैं।
- एप में नवीनतम कृषि पद्धतियाँ और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) जूट श्रेणी मानक, 'जूट–आईकेयर' जैसी किसान–केंद्रित योजनाएँ, मौसम पूर्वानुमान, JCI के खरीद केंद्रों की अवस्थिति, सरकारी खरीद की नीतियाँ आदि भी उपलब्ध कराई गई हैं।
- यह किसानों को अपने जूट भुगतान को ट्रैक करने और प्रश्नों के लिये चौटबॉट का उपयोग करने में सक्षम बनाता है।

126. (c)

व्याख्याः मथुरा का इतिहास प्राचीन है, यह यदु वंश में जन्मे कृष्ण की मातृभूमि और जन्मभूमि भी है। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण पट्टिका के अनुसार मथुरा संग्रहालय में सबसे प्राचीन भारतीय महाकाव्य, रामायण में इस शहर का उल्लेख किया गया है।

- महाकाव्य के अनुसार, इक्ष्वाकु राजकुमार शत्रुघ्न ने लवणासुर नामक राक्षस का वध किया था और फिर इस भूमि को अपने नियंत्रण में ले लिया था। घने जंगलों के कारण इस स्थान को बाद में मधुवन, फिर मधुपुरा और काफी बाद में मथुरा के नाम से जाना जाने लगा।

अतः विकल्प (c) सही है।

127. (क)

व्याख्याः उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केरल के तिरुवनंतपुरम में 1–5 दिसंबर तक चलने वाले वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव के 5वें संस्करण का उद्घाटन किया, जिसका विषय 'स्वास्थ्य देखभाल में उभरती चुनौतियाँ और पुनरुत्थानशील आयुर्वेद' था।

अतः विकल्प (d) सही है।

- वैश्विक आयुर्वेद महोत्सव 2023 में आयुर्वेद चिकित्सा पर्यटन पर भारत की पहली समर्पित बिजनेस–टू–बिजनेस (B2B) बैठक भी हुई जिसमें स्वास्थ्य सेवा अग्रदूतों को विश्व भर के खरीदारों के साथ जोड़ा गया तथा इसमें देश के आयुर्वेदिक स्वास्थ्य देखभाल संसाधनों को प्रदर्शित किया गया

128. (d)

व्याख्याः रिलायंस जियो ने IIT बंबई के सहयोग से 'भारत GPT– लॉन्च किया है।

अतः विकल्प (क) सही है।

- भारत GPT:
- यह 5 भारतीय और 69 विदेशी भाषा के टेक्स्ट और कोड डेटासेट से प्रशिक्षित एक लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) है।
- इसका लक्ष्य भारत में विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव लाने के लिये लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) और जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPT) की क्षमताओं का लाभ उठाना है।
- यह कार्यक्रम जिसे "श्रपव 2.0" के रूप में जाना जाता है. श्रपव के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, साथ ही यह विकास के एक वृहत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर केंद्रित है।

129. **(b)**

व्याख्याः दिसंबर 2023 में गुजरात सरकार ने द्वारका में भारत की पहली पनडुब्बी आधारित अंडरवाटर पर्यटन सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है।

अतः विकल्प (b) सही है।

- इससे पर्यटकों को द्वारका में समुद्री जीवन को जानने–समझने में मदद मिलेगी, गुजरात के बारे में माना जाता है कि इस प्राचीन शहर के कुछ हिस्से समुद्र में नीचे विलुप्त हो गए हैं।
- गुजरात ने इस परियोजना के लिये मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स के साथ एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।
- जल निकायों के अंदर समुद्री जीवन को देखने के लिये पर्यटकों को पनडुब्बी की सहायता से समुद्र में 100 मीटर नीचे ले जाया जाएगा। प्रत्येक पनडुब्बी में 24 पर्यटकों की जगह होगी।

130. **(a)**

व्याख्याः तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 'अभय हस्तम' कार्यक्रम शुरू किया है।

अतः विकल्प (a) सही है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत छह प्रकार की गारंटी शामिल हैं:

- महालक्ष्मी
- ऋतु भरोसा
- गृह ज्योति
- इन्दिरम्मा इलू
- युवा विकासम
- चेयुथा
- इसके तहत 28 दिसंबर, 2023 को राज्य भर में एक विशेष अभियान "प्रजा पालन" (पीपुल्स गवर्नेस) शुरू किया गया है।

131. **(a)**

व्याख्याः इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024:

- यह व्हीबॉक्स द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE), भारतीय उद्योग परिसंघ और भारतीय विश्वविद्यालय संघ सहित विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से प्रकाशित किया जाता है। इसमें भारत के कौशल परिदृश्य तथा कार्यबल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है।
- विषयः "कार्य, कौशल और गतिशीलता के भविष्य पर A का प्रभाव"।

अतः विकल्प (a) सही है।

- इस रिपोर्ट का निष्कर्ष भारत के शैक्षणिक संस्थानों में व्हीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट (WNET) देने वाले 3.88 लाख व्यक्तियों के मूल्यांकन पर आधारित है।
- नियोजनीय पुरुष और महिला दोनों के लिये रोजगार हेतु सबसे पसंदीदा राज्य केरल है, जबकि WNET देने वाली महिला परीक्षार्थियों ने काम करने के लिये सबसे पसंदीदा क्षेत्र के रूप में कोचीन का चयन किया।
- 22 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में, उत्तर प्रदेश में युवा प्रतिभाओं की संख्या सबसे अधिक, 74.77ः है, इसके बाद 71.97ः के साथ महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है।

132. **(d)**

व्याख्याः दिसंबर 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर अयोध्या से पहली दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

अतः विकल्प (d) सही है।

- इस ट्रेन की अधिकतम गति 130 किमी. प्रति घंटा है।
- पहली ट्रेन बिहार के दरभंगा और दिल्ली के आनंद विहार के बीच और दूसरी ट्रेन पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन और बेंगलुरु, कर्नाटक के सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल के बीच परिचालित होगी।

133. **(a)**

व्याख्याः पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (25 दिसंबर, 2023) के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आगरा के बटेश्वर से मथुरा के गोवर्द्धन तक राज्य की पहली इंट्रा–डिस्ट्रिक्ट हेलीकॉप्टर सेवा का उद्घाटन किया।

अतः विकल्प (a) सही है।

- निजी–सार्वजनिक भागीदारी (PPP) पर आधारित इस यह हेलीकॉप्टर सेवा का संचालन उत्तराखंड की एक निजी कंपनी द्वारा की जायेगी।

134. **(d)**

व्याख्याः उत्तर प्रदेश में पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थानः

संस्थान	अवस्थिति/ मुख्यालय
केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान	लखनऊ
भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान	कानपुर
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान	कानपुर
भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान	वाराणसी
भारतीय घासस्थल एवं चारा अनुसंधान संस्थान	झाँसी
केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान	मथुरा

अतः विकल्प (d) सही है।

135. **(d)**

व्याख्याः' भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण (फेम इंडिया) योजना चरण II को भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा 1 अप्रैल, 2019 से शुरू होने वाली पाँच वर्ष की अवधि के लिये कुल 10,000 करोड़ बजटीय समर्थन के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है।

अतः विकल्प (क) सही है।

- फेम इंडिया योजनाः
- फेम इंडिया नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन (NEMM)
- का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।
- योजना का मुख्य उद्देश्य खरीद पर अग्रिम प्रोत्साहन देकर इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करना है।
- इस योजना में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तकनीक, जैसे माइल्ड हाइब्रिड, स्ट्रांग हाइब्रिड, प्लग इन हाइब्रिड तथा बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनः शामिल हैं।

136. **(b)**

व्याख्याः पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (PM&SHRI) योजनाः यह देश भर में 14500 से अधिक स्कूलों के उन्नयन और विकास के लिये एक केंद्र प्रायोजित योजना है।

अतः कथन (1) सही नहीं है।

- इसका उद्देश्य केंद्र सरकार/राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकार / स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से चयनित मौजूदा स्कूलों को मजबूत करना है।

अतः कथन (2) सही नहीं है।

- यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी घटकों को प्रदर्शित करेगा एवं अनुकरणीय स्कूलों के रूप में कार्य करेगा साथ ही अपने आसपास के अन्य स्कूलों को मार्गदर्शन भी प्रदान करेगा।
- ये स्कूल उत्कृष्ट शिक्षा शिक्षा एवं संज्ञानात्मक विकास प्रदान करने के अतिरिक्त 21वीं सदी के आवश्यक कौशल वाले संपूर्ण, सर्वांगीण लोगों को तैयार करने का प्रयास करेंगे।

अतः विकल्प (b) सही है।

137. (b)

व्याख्याः मिशन अमृत सरोवरः

- ● **24 अप्रैल, 2022 को स्वतंत्रता के 75वें वर्ष** पर भारत की **"आजादी का अमृत महोत्सव"** समारोह के हिस्से के रूप में मिशन अमृत सरोवर लॉन्च किया गया था।
- इस मिशन का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या को दूर करने के लिये भारत के प्रत्येक जिले में कम–से–कम 75
- अमृत सरोवरों का निर्माण/पुनरुद्धार करना है।
- इन जल निकायों का लक्ष्य स्थानीय स्तर पर जल स्थिरता सुनिश्चित करना है।
- आठ केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों का मिशन के कार्यान्वयन में सक्रिय योगदान है, जिनमें ग्रामीण विकास विभाग, भूमि संसाधन विभाग, पेयजल और स्वच्छता विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायती राज मंत्रालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेल मंत्रालय, सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्रालय शामिल हैं।
- भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू–सूचना विज्ञान संस्थान (Bhaskaracharya National Institute for Space Application and Geo&informatics& BISAG&-N) को मिशन का तकनीकी भागीदार बनाया गया है।

अंतः विकल्प(b) सही है।

138.(d)

व्याख्याः जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट योजनाः

' **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016** में शुरू की गई यह योजना **एक एकीकृत और व्यापक प्रमाणन प्रणाली** है। (MSME), योजना एक एकीकृत और व्यापक प्रमाणन प्रणाली है।

अतः विकल्प (d) सही है।

- यह योजना उत्पादों और प्रक्रियाओं दोनों में उत्पादकता, गुणवत्ता, प्रदूषण शमन, ऊर्जा दक्षता, वित्तीय स्थिति, मानव संसाधन तथा डिजाइन एवं बौद्धिक संपदा अधिकार सहित तकनीकी रूप से सक्षम बनाने हेतु उत्तरदायी है।
- जीरो डिफेक्टः
- जीरो डिफेक्ट अवधारणा ग्राहक केंद्रित है।
- शून्य गैर–अनुरूपता या गैर–अनुपालन
- शून्य अपशिष्ट
- जीरो इफेक्टः
- शून्य वायु प्रदूषण, तरल निर्वहन, ठोस अपशिष्ट
- प्राकृतिक संसाधनों का शून्य अपव्यय

139. (d)

व्याख्याः अटल वयो अभ्युदय योजना (AVYAY):

- पहले AVYAY को वरिष्ठ नागरिकों के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना के रूप में जाना जाता था, जिसे **अप्रैल 2021** में नया रूप दिया गया और इसका नाम बदलकर **अटल वायो अभ्युदय योजना** कर दिया गया।
- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य भारत में वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त बनाना है।
- अवयवः
- **वरिष्ठ नागरिकों के लिये एकीकृत कार्यक्रमः** यह घटक कार्यान्वयन एजेंसियों को वरिष्ठ नागरिक गृहों को चलाने और बनाए रखने के लिये सहायता प्रदान करता है, जो गरीब वरिष्ठ नागरिकों के लिये आश्रय, भोजन, चिकित्सा देखभाल और मनोरंजन के अवसर प्रदान करता है।
- **वरिष्ठ नागरिकों के लिये राज्य कार्य योजनाः** राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को प्रशिक्षित वृद्धावस्था देखभालकर्ताओं का एक पूल बनाने, विशेष मोतियाबिंद अभियान चलाने के साथ–साथ गरीब वरिष्ठ नागरिकों हेतु अन्य राज्य–विशिष्ट कल्याण गतिविधियों को लागू करने के लिये अनुदान सहायता प्राप्त होती है।

अतः विकल्प (d) सही है।

140. (a)

व्याख्याः **प्रतिवर्ष 14 सितंबर** को मनाया जाने वाला हिंदी दिवस, जिसे राष्ट्रीय हिंदी दिवस के रूप में भी जाना जाता है, उस दिन की याद दिलाता है जब **वर्ष 1949 भारतीय संविधान** सभा ने हिंदी को अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में ग्रहण किया था।

अतः विकल्प (a) सही है।

- भारत की आधिकारिक भाषा के रूप. में हिंदी का उपयोग करने के निर्णय को 26 जनवरी 1950 को भारत के संविधान द्वारा वैधानिक बनाया गया था। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस दिन हिंदी दिवस मनाने का निर्णय लिया था।
- हिंदी कोई शास्त्रीय भाषा नहीं है और इसे आठवीं अनुसूची की भाषा के रूप में शामिल किया गया है।

- अनुच्छेद 351 शहिंदी भाषा के विकास हेतु निर्देशश से संबंधित है। हिंदी को बढ़ावा देने और प्रचार–प्रसार करने के लिये भारत सरकार द्वारा शिक्षा मंत्रालय के तहत वर्ष 1960 में केंद्रीय हिंदी निदेशालय की स्थापना की गई थी।
- हिंदी विश्व में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और यह देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। भाषा का नाम फारसी शब्द **'fgan'** से आया है जिसका अर्थ है **'सिंधु नदी की भूमि'** और यह संस्कृत की वंशज है।
- यह भारत की राजभाषा है, अंग्रेजी दूसरी राजभाषा है।

141. **(b)**

व्याख्याः हाल ही में असम के कछार **कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (CCHRC) के निदेशक, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट पद्मश्री डॉ. आर. रवि कन्नन को वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया।**

अतः विकल्प (b) सही है।

- उन्हें यह पुरस्कार जन–केंद्रित तथा गरीबों के कल्याण (देखभाल करने वालों के लिये निशुल्क उपचार, भोजन, आवास तथा रोजगार की सुविधा) हेतु कार्यक्रमों के माध्यम से असम में कैंसर के उपचार में क्रांति लाने हेतु प्रदान किया गया।
- एशिया के सर्वोच्च सम्मान और प्रमुख पुरस्कार के रूप में वर्ष 1957 में स्थापिल किया गया।
- यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो अपनी पृष्ठभूमि की परवाह किये बिना एशिया के लोगों की सेवा में असाधारण भावना प्रदर्शित करते हैं।
- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष 31 अगस्त को प्रदान किया जाता है जो कि फिलीपींस गणराज्य के तीसरे राष्ट्रपति, रेमन मैग्सेसे के जन्मदिन को चिह्नित करता है, जिन्होंने इस पुरस्कार की स्थापना में प्रेरणास्त्रोत की भूमिका निभाई थी।
- पुरस्कार विजेताओं को एक प्रमाणपत्र, रेमन मैग्सेसे की उभरी हुई छवि वाला एक पदक तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशिया के नोबेल पुरस्कार के समकक्ष माना जाता है।

142. **(c)**

व्याख्याः लांगपी पोट्रीः

- मणिपुर के लोगपी गाँव की तांगखुल नागा जनजातियाँ इस अनूठी शैली की पॉटरी (मिट्टी की बर्तन) को बनाती हैं। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- लोंगपी मिट्टी के बर्तन अलग दिखते हैं क्योंकि यह कुम्हार के चाक पर निर्भर नहीं होते हैं, सब कुछ हाथ से ढाला हुआ होता है
- विशिष्ट भूरे–काले खाना पकाने के बर्तन, मजबूत कंतली एवं आकर्षक. कटोरे लोंगपी के ट्रेडमार्क हैं, जिनके नए डिजाइन तत्त्व प्रस्तुत किये जा रहे हैं। हाल के 18वें G20 शिखर सम्मेलन में भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत एवं शिल्प कौशल का मनमोहक प्रदर्शन देखा गया, जिसे जनजातीय मामलों के मंत्रालय के भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED) द्वारा निर्मित और प्रस्तुत किया गया। G20. शिखर सम्मेलन में TRIFED द्वारा कलाकृतियों तथा उत्पादों का प्रदर्शन किया गयाः
- लोंगपी पॉटरी
- छत्तीसगढ़ पवन बांसुरी
- गोंड पेंटिंग
- भेड़ के ऊन के स्टोल
- राजस्थान कलात्मकता का प्रदर्शन
- अंबाबारी मेटलवर्क
- मीनाकारी शिल्प

144. **(d)**

व्याख्याः हाल ही में, कई **ग्रैंड स्लैम विजेता लिएंडर पेस**, वर्ष 2024 की खिलाड़ी श्रेणी में इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम (**ITHF**) के लिये नामांकित पहले एशियाई व्यक्ति हैं।

अतः विकल्प (d) सही है।

- लिएंडर पेस ने युगल एवं मिश्रित युगल में 18 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और वह पूर्व युगल विश्व नंबर 1 खिलाड़ी भी रह चुके हैं।
- इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम (ITHF) टेनिस खेल को समर्पित एक प्रतिष्ठित संस्थान और संग्रहालय है।
- प्रसिद्धि के आधिकारिक टेनिस हॉल के रूप में, यह टेनिस के खेल में उल्लेखनीय लोगों तथा संगठनों की उपलब्धियों, विरासत एवं ऐतिहासिक योगदान का सम्मान करता है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में स्थित है।

145. **(d)**

व्याख्याः **'ऑपरेशन सजग, तटीय सुरक्षा निर्माण** के सभी हितधारकों को शामिल करने वाला एक अभ्यास, पश्चिमी तट पर भारतीय तटरक्षक द्वारा आयोजित किया गया था।

अतः विकल्प (d) सही है।

- तटीय सुरक्षा निर्माण को मजबूत करने हेतु मछुआरों के लिये बायोमेट्रिक कार्ड जारी करने, प्रत्येक राज्य के अनुसार मछली

- पकड़ने वाली नौकाओं की रंग कोडिंग, मछलियों को उतारने वाले केंद्रों की व्यवस्था के साथ प्रवेश एवं निकास जाँच बिंदुओं तक पहुँच नियंत्रण जैसे कई उपाय शामिल किये गए हैं। तटीय मानचित्रण, सुरक्षा एजेंसियों के लिये विशिष्ट समुद्री बैंड आवृत्ति को नामित करना, भारतीय तट रक्षक द्वारा समुद्री पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण आदि।
- सुरक्षा एजेंसियों को बायोमेट्रिक कार्ड रीडर भी जारी किये गए हैं। नौकाओं की निगरानी के अतिरिक्त, तटीय सुरक्षा निर्माण के तहत द्वीप सुरक्षा एवं सामुदायिक बातचीत कार्यक्रमों को संस्थागत बनाया गया है।

146. (a)
व्याख्याः प्रसिद्ध भारतीय दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान, जिन्हें भारतीय सिनेमा क्लासिक्स में उनकी महान भूमिकाओं के लिये जाना जाता है. को वर्ष 2021 के प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
अतः विकल्प (a) सही है।
- यह पुरस्कार 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान प्रदान किया गया।
- वादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भारतीय सिनेमा में सर्वोच्च मान्यता है। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में फिल्म महोत्सव निदेशालय द्वारा प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार का नाम भारतीय फिल्म निर्माता दादा साहब फाल्के के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने भारत की पहली फीचर फिल्म, राजा हरिश्चंद्र (1913) का निर्देशन किया था।

147. (c)
व्याख्याः **भारत तथा सऊदी अरब** ने. पावर ग्रिड इंटरकनेक्शन, हरित/ स्वच्छ हाइड्रोजन एवं सप्लाई चेन के क्षेत्र में **रियाद (सऊदी अरब)** में एक समझौता ज्ञापन (**MoU**) पर हस्ताक्षर किये हैं।
अतः विकल्प (c) सही है।
- इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके दोनों देश कई मुद्दों पर एक साथ काम करने में सक्षम होंगे, जिसमें पावर ग्रिड इंटरकनेक्शन की अवश्यकता के समय बिजली साझा करना, परियोजनाओं का सह–विकास, हरित/स्वच्छ हाइड्रोजन एवं नवीकरणीय ऊर्जा का सह–उत्पादन शामिल है। हरित/स्वच्छ हाइड्रोजन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के लिये मजबूत, सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला की सीापना।

148. (a)
व्याख्याः वर्ष 2023 का नोबेल शांति पुरस्कार जेल में बंद ईरान के मानवाधिकार वकील नरगिस मोहम्मदी को दिया गया।
अतः विकल्प (a) सही है।
- वह ईरान में 20 वर्षों से अधिक समय से महिलाओं के अधिकार के लिये लड़ रही हैं, जिसने उन्हें ईरानी धर्मतंत्र के खिलाफ संघर्ष में स्वतंत्रता का प्रतीक और आदर्श बना दिया है।

149. (b)
व्याख्याः भारत तथा बांग्लादेश ने उमरोई, मेघालय में वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास, संप्रीति का 11वाँ संस्करण शुरु किया।
अतः विकल्प (b) सही है।
- सम्प्रीति दोनों देशों द्वारा बारी–बारी से संचालित एक महत्त्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा सहयोग प्रयास है जिसका उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालनीयता तथा सहयोग के पहलुओं को मजबूत एवं व्यापक बनाना है।

150. (c).
व्याख्याः ईरान ने इमेजिंग उपग्रह नूर–3 को पृथ्वी की सतह से 450 किलोमीटर (280 मील) ऊपर की कक्षा में सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।
अतः विकल्प (c) सही है।
- नूर–3 संभावित जासूसी क्षमताओं वाला एक उपग्रह है, जो अंतरिक्ष में ईरान की क्षमताओं को बढ़ाता है। इसे तीन–चरण क्वासेद या मैसेंजर वाहक द्वारा लॉन्च किया गया था।
- अंतरिक्ष यान के दो पूर्ववर्ती, नूर–1 और नूर–2, क्रमशः अप्रैल 2020. और मार्च 2022 में क्वासेद रॉकेट के माध्यम से लॉन्च किये गए थे।